● वर्ष-2
● अंक-253
रायपुर, बुधवार
14 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

samacharpacheesa@gmail.com

बैठक के पहले बिहार गठबंधन में दरार

मांझी के बेटे संतोष सुमन का नीतीश सरकार से इस्तीफा

पटना। जीतन राम मांझी के पुत्र और कैबिनेट मंत्री संतोष कुमार सुमन ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। संतोष कुमार सुमन नीतीश के नेतृत्व वाले बिहार मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री थे। संतोष कुमार सुमन ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर अपने पिता पर हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) का जद (यू) में विलय करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमें जद (यू) में विलय के लिए मजबूर किया जा रहा था। यह इस्तीफा ऐसे वक्त में हुआ है जब नीतीश कुमार खुद विपक्षी एकता की कवायद में जुटे हुए हैं और 23 जून को पटना में एक बड़ी बैठक होने वाली है।

संतोष कुमार मांझी के इस्तीफे पर जेडी अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि पूरे देश की पार्टियां एक हो रही हैं, 17 पार्टियां यहां आ रही हैं। पूरे देश में विपक्ष एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ लड़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मांझी ने हमारे प्रस्ताव को स्वीकर नहीं किया। वहीं, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि लगातार जीतन राम मांझी और संतोष मांझी को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आगे बढ़ाने का काम किया...चिट्ठी में साफ लिखा है कि निजी कारणों के चलते वे(संतोष मांझी) साथ नहीं चल सकते। चिट्ठी से स्पष्ट है कि वे महागठबंधन का अंग नहीं रहना चाहते। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में राज्य के सत्तारूढ़ महागठबंधन में जूनियर पार्टनर हम के लिए शुक्रवार को कम से कम पांच सीटों की मांग की। संतोष कुमार सुमन, जो ॥रू के राष्टीय अध्यक्ष हैं, ने भी पिछले हफ्ते कहा था कि पार्टी बिहार में 40 लोकसभा सीटों में से पांच से कम की पेशकश पर सहमत नहीं होगी। हम बिहार में एक क्षेत्रीय पार्टी है जिसकी स्थापना 2015 में जीतन राम मांझी ने की थी और बिहार विधान सभा में इसकी कुल 4 सीटें हैं।

अमित शाह से हुई थी मुलाकात

2024 के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के खिलाफ गठबंधन बनाने के अपने प्रयास के तहत कई विपक्षी नेताओं के साथ नीतीश कुमार की बातचीत के बीच, जीतन राम मांझी ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी थी। जीतन राम मांझी 2019 के लोकसभा चुनावों में राजद के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा थे, जिसे जद (यू) और भाजपा ने मिलकर लड़ा था। मांझी एक बड़े दलित नेता हैं और बिहार के कुछ हिस्सों में अपने मांझी समुदाय में उनका प्रभाव है।

नीतीश को बड़ा झटका

संतोष सुमन का इस्तीफा नीतीश कुमार के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 23 जून को नीतीश की मेजबानी में पटना में विपक्षी एकता की बैठक बुलाई गई है। इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई विपक्षी नेताओं के शामिल होने जा रहे हैं। लेकिन इस बैठक से पहले ही महागठबंधन में महाभारत शुरू हो गया है। हालांकि, जदयू ने कहा है कि इससे विपक्षी

एकती की बैठक पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

नीतीश कुमार दलित विरोधी

बिहार भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि पहले जब जीतन राम मांझी मुख्यमंत्री थे तब भी उनका अपमान हुआ और अब उनके बेटे के साथ भी यही हो रहा है। नीतीश कुमार दलित विरोधी हैं और महागठबंधन हमेशा दलित का अपमान करते रहा है। बिहार भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा कि पुराने सहयोगी व बिहार के मुख्यमंत्री रहे जीतनराम मांझी जैसे बड़े नेता के पुत्र संतोष सुमन नीतीश कुमार जी को छोड़कर जा रहे हैं।

सुमन ने क्या कहा

सुमन ने कहा कि मैंने अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री को भेज दिया है और अपनी बात रखने के लिए व्यक्तिगत रूप से विजय कुमार चौधरी (जदयू के वरिष्ठ नेता एवं मंत्री) से मिला हूं। मुझे उम्मीद है कि मेरा इस्तीफा स्वीकार कर लिया जाएगा। हालांकि, हमलोग महागठबंधन से बाहर नहीं हो रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सहित सभी प्रदेशों में चुनाव लड़ेगी बसपा

बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि हमारी पार्टी राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में चुनाव लड़ेगी। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में बसपा लगातार चुनाव लड़ती रही है। इन चारों ही राज्यों में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। यही कारण है कि बसपा ने अभी से ही अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। कभी राष्ट्रीय पार्टी रही बसपा के लिए हाल के वर्ष अच्चे नहीं रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी पार्टी के पास सिर्फ एक विधायक है। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में हम दलितों, आदिवासियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का हर स्तर पर हो रहे शोषण, गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई जैसे मुद्दों पर हम आने वाले विधानसभा चुनावों में चुनाव लड़ेगी। मायावती ने कहा कि इन राज्यों में हर स्तर पर दलितों, आदिवासियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम पूरी तैयारी के साथ चुनाव में उतरेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन राज्यों की जनता को जागरूक बनाने और चुनावी तैयारी के लिए आकाश आनंद और राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई हैं।

राजस्तान सरकार पर साधा था निशाना

इससे पहले मायावती ने ट्वीट कर कहा था कि राजस्थान में विधानसभा आमचुनाव के नजदीक अब वहाँ की कांग्रेस सरकार द्वारा 500 रूपए में रसोई गैस व 100 यूनिट फ्री बिजली देने आदि की घोषणा स्पष्टत: चुनावी छलावा नहीं तब और क्या? जबकि बढ़ती महंगाई के मद्देनजर इनको ये कार्य सरकार बनने के प्रारंभ में पाँच साल पहले कर देना चाहिए था। उन्होंने कहा था कि राजस्थान की तरह ही जनहित व जनकल्याण कार्यों में विफल रही छत्तीसगढ़ की कांग्रेस, मध्य प्रदेश की भाजपा व तेलंगाना की बीआरएस सरकार

इन दिनों

✍ संतोष पाठक

छत्तीसगढ़-मप्र में हिंदुत्व की राह पर कांग्रेस

अविभाजित मध्य प्रदेश को आमतौर पर भाजपा के हिंदुत्व की काट के रूप में अब इसी मध्य प्रदेश और इससे अलग होकर बने छत्तीसगढ़ को कांग्रेस अपने सॉफ्ट हिंदुत्व की प्रयोगशाला बनाने का प्रयास कर रही है। 2018 में कांग्रेस के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद गांधी परिवार के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री बने भूपेश बघेल ने बहुत जल्द ही यह भांप लिया कि अगर छत्तीसगढ़ में निर्बाध रूप से सरकार चलानी है तो हिंदुत्व के रास्ते पर चलना होगा और उसके बाद लोगों ने देखा किस तरह से बघेल ने एक-एक कर राज्य भाजपा से हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों को छीनना शुरू कर दिया। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भाजपा और कांग्रेस में हिंदुत्ववादी राजनीति करने की होड़ लगी हुई है। इस बार दोनों पार्टियां हिंदुत्व को मुद्दा बनाकर चुनावी प्रचार कर रही है। दोनों पार्टियों में होड़ लगी है कि कौन-सी पार्टी हिंदुत्व की राजनीति में आगे निकलती है। गोबर योजना से लेकर, राम वन गमन परिपथ, रामायण प्रतियोगिता, हनुमान चालीसा का पाठ और गोधन न्याय योजना जैसी परियोजनाओं को अपना कर, घोषणाएं करके छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार राज्य के हिंदू मतदाताओं को पुरजोर तरीके से और लगातार लुभाने का प्रयास कर रही है। मध्य प्रदेश में 2018 में चुनाव जीतकर गांधी परिवार के आशीर्वाद से मुख्यमंत्री बनने वाले कमलनाथ को जल्द ही भाजपा ने ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत की मदद से कुर्सी से हटा कर अपने शिवराज सिंह चौहान को फिर से राज्य का मुख्यमंत्री बना दिया लेकिन इसके बाद पूरे प्रदेश में भ्रमण कर रहे कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी को जल्द ही हिंदुत्व की राजनीति की अहमियत का भी अहसास हो गया और इसके बाद कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में भी हिंदुत्व की राजनीति पर ही चलने का फैसला कर लिया। इसके बाद ही कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के फिलहाल सबसे बड़े और एकमात्र दावेदार नजर आ रहे कमलनाथ ने अपनी पूजा करती तस्वीरों को सार्वजनिक रूप से शेयर करना शुरू कर दिया, बजरंग सेना का कांग्रेस में विलय कराया और सबसे खास बात यह है कि किसानों, बेरोजगारों, हड़तालों और आदिवासियों सहित तमाम मुद्दों पर शिवराज सरकार को घेरने वाले कमलनाथ बहुत ही जोर-शोर से और प्रमुखता से उज्जैन के महाकाल में गिरी देव प्रतिमाओं का भी मुद्दा उठाकर हिंदू मतदाताओं को खास संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं। यहां तक कि राज्य में चुनावी अभियान का श्रीगणेश करने के लिए मध्य प्रदेश पहुंची प्रियंका गांधी ने भी पहले मां नर्मदा की पूजा अर्चना और आरती कर अपने इरादों को पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाते हुए यहां तक कह डाला कि भाजपा की सरकार ने तो घोटालों के मामले में मां नर्मदा और महादेव के महाकाल कॉरिडोर तक नहीं छोड़ा। साफ-साफ दिखाई दे रहा है कि भाजपा से लगातार चुनाव हारने वाली कांग्रेस ने अब भाजपा की हिंदुत्व वाली पिच पर ही खेलकर उसे हराने का मंसूबा बना लिया है और इस साल का विधानसभा चुनाव कांग्रेस की रणनीति का एक टेस्ट केस माना जा सकता है।

गर्मी से नहीं मिलने वाली है राहत, प्रदेश में अलर्ट

नईदिल्ली। भारत के कई राज्य इस वक्त हीट वेव की चपेट में हैं। हीटवेव की वजह से उत्तर भारत में खासकर गर्मी अपने चरम पर है। गर्मी की वजह से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, लोगों के लिए अभी भी राहत के खबर नहीं है। वैज्ञानिक डॉ नरेश कुमार ने कहा कि दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में आने वाले दिनों में तापमान 40-45 के पास पहुंच सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस समय बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में हीट वेव जारी है। आने वाले 5 दिनों में इन हिस्सों में हीट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में सोमवार को लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा और अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने दिन में तेज सतही हवाएं चलने का पूर्वानुमान लगाया है।

जानकारी के मुताबिक के अभी भी आने वाले 5 दिनों में हीट वेव चलते रहेंगे। इसका मतलब साफ है कि हीटवेव

से फिलहाल राहत मिलती दिखाई नहीं दे रही है।

निजी पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर के अनुसार आगामी कुछ दिनों में दिल्लीवासी गर्मी से कुछ राहत की उम्मीद कर सकते हैं क्योंकि अरब सागर में तेजी से बढ़ रहे चक्रवात बिपारजॉय के प्रभाव के कारण बृहस्पतिवार और शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में हल्की बारिश का अनुमान है। दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अधिकतम तापमान 38.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम है।

बिपरजॉय का दिखने लगा असर

शक्तिशाली चक्रवात बिपरजॉय ने चिंता की लकीरें बढ़ा दी हैं। तटीय क्षेत्रों से 21,000 लोगों को अस्थायी आश्रय स्थलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसका असर भी दिखने लगा है। द्वारका के गोमती घाट पर चक्रवात बिपरजोय का प्रभाव देखने को मिल रहा है। ज्वार की लहरें समुद्र में ऊंची उठ रही हैं। ड्रोन वीडियो कच्छ के कांडला पोर्ट से है जहां चक्रवाती तूफान बिपरजोय को लेकर तैयारियां की गई हैं। बिपरजोय के गुजरात तट की ओर बढ़ने के मद्देनजर पुलिस ने भुज तट पर गश्त की। इसके साथ ही राहत और बचाव के लिए बड़ी टीम को तैनात किया गया है। पश्चिम रेलवे सुमित ठाकुर ने बताया कि 69 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। जिन इलाकों में ज्यादा क्षति होने की आशंका है वहां से लोगों को हटाया जा रहा है, अब तक 28 हजार लोगों को हटाया जा चुका है। हमने एनडीआरएफ की 17 व एसडीआरएफ की 13 टीमें तैनात की है।

प्रमुख समाचार

चुनाव आते ही कई मौसमी हिंदू दिखाई देने लगते हैं: राजनाथ

भोपाल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज मध्य प्रदेश थे। मध्य मध्य प्रदेश में उन्होंने किसान कल्याण महाकुंभ में हिस्सा लिया और मध्य प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को दी गई राशि को वितरित किया। इस दौरान अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने प्रियंका

गांधी पर बिना नाम लिए निशाना साधा और साफ तौर पर कहा कि चुनाव आते ही कई मौसमी हिंदू दिखाई देने लगते हैं। राजनाथ के साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे।चुनाव नज़दीक आने पर आपको कई 'मौसमी हिंदू' भी दिखाई देने लगते हैं। आजकल कभी बजरंगबली तो कभी माँ नर्मदा की आरती उतारी जा रही है। उन्होंने कहा कि नर्मदा के प्रति सम्मान तो शिवराज ने किया है। शिवराज ने मध्य प्रदेश असेंबली से प्रस्ताव पारित करके नर्मदा को लिविंग इंटिटी के रूप में मान्यता दी थी। दरअसल, प्रियंका गांधी सोमवार को मध्य प्रदेश दौरे पर थीं।

मंत्रालयों के लिए गैरनिर्वाचित विशेषज्ञ क्यों?: चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने ओडिशा रेल हादसे और कोविन डेटा लीक के दावों पर भी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव पर परोक्ष रूप से निशाना साधा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने यह भी

कहा कि वह रेलवे, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री वैष्णव के अपने मंत्रालयों को चलाने के तरीके के खुलासे से भी हैरान हैं। कांग्रेस नेता ने बालासोर हादसे को लेकर केंद्र पर आरोप लगाते हुए सवाल किया कि बालासोर त्रासदी से साफ पता चलता है कि रेलमंत्री या उनके अधिकारियों ने दिसंबर 2022 में सौंपी गई कैग रिपोर्ट संख्या 22 और 23 को नहीं पढ़ा। इतना ही नहीं उन्होंने फरवरी 2023 में प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के पत्र को भी नहीं पढ़ा। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने दावा किया कि कथित तौर पर पोर्टल से डेटा लीक से यह उजागर हुआ है कि देश में लाखों भारतीयों का व्यक्तिगत डेटा सुरक्षित और संरक्षित नहीं है।

यूएस कैपिटल में पहली बार हिंदू-अमेरिकी शिखर सम्मेलन

नई दिल्ली। देश भर के प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों का एक समूह यूएस कैपिटल में पहली बार राजनीतिक जुड़ाव के लिए हिंदू-अमेरिकी शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए एक साथ आया है। आयोजकों ने कहा कि अन्य लोगों के साथ हाउस स्पीकर केविन मैककार्थी द्वारा संबोधित किया जाएगा। इसे 20 से अधिक अन्य प्रवासी निकायों के सहयोग से हाल ही में गठित अमेरिकन्स4हिंदू पॉलिटिकल एक्शन कमेटी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। हिंदू-अमेरिकी शिखर सम्मेलन 14 जून को यूएस कैपिटल में आयोजित किया जाना है ताकि कानून निर्माताओं के समक्ष हिंदू समुदाय की चिंताओं को उठाया जा सके। अमेरिकन्स4हिंदू के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. रोमेश जापरा का कहना है कि पहली बार हम राजनीतिक जुड़ाव के लिए एक हिंदू-अमेरिकी शिखर सम्मेलन कर रहे हैं। हम उत्साहित हैं कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करेंगे।

तमिलनाडु के मंत्री के परिसरों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत तमिलनाडु के बिजली मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के आवास पर छापेमारी की। चेन्नई, करूर और अन्य जगहों पर यह छापेमारी की जा रही है। ईडी के अधिकारियों ने सचिवालय में

बालाजी के कार्यालय कक्ष पर छापेमारी की। करूर जिले के डीएमके के मजबूत नेता मंत्री ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि अधिकारी उनके परिसर में क्या खोज रहे थे और उन्होंने जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया। राज्य की राजधानी चेन्नई में बालाजी के परिसरों और उनके मूल करूर में छापेमारी की जा रही है। इनके अलावा, ईडी अधिकारियों ने इरोड जिले में तमिलनाडु राज्य विपणन निगम के एक लॉरी ठेकेदार के घर की भी तलाशी ली। राज्य द्वारा संचालित टीएएस-एमएसी तमिलनाडु में शराब का खुदरा विक्रेता है।

घुसपैठ की बड़ी कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी को किया गया ढेर

नई दिल्ली। कुपवाड़ा जिले के दोबनार मच्छल क्षेत्र (एलओसी) में सेना और कुपवाड़ा पुलिस के एक संयुक्त अभियान में कम से कम दो आतंकवादियों को

मार गिराया गया है, जिससे घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है। तलाशी अभियान अब भी जारी है। जवानों ने दो एके 47, चार मैगजीन, 48 राउंड गोला बारूद, चार हथगोले, 1 पाउच, खाने का सामान और सिगरेट के पैकेट बरामद किए हैं। कश्मीर जोन पुलिस ने इस संबंध में ट्वीट किया लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि आतंकवादी घुसपैठिए थे या स्थानीय। पुलिस ने ट्वीट किया कि कुपवाड़ा जिले के दोबनार मच्छल इलाके में सेना और कुपवाड़ा पुलिस के एक संयुक्त अभियान में दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शनिवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने किश्तवाड़ जिले में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी के घर की तलाशी ली।

हिमाचल-कर्नाटक में मिली हार के बाद हुआ बदलाव

लोकसभा चुनाव में नई रणनीति पर काम करेगी भाजपा

हिमांशु मिश्रा

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर देशभर में सियासत गर्म है। विपक्ष एकजुट होकर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। भाजपा भी अलग रणनीति तैयार करने में जुटी है। पार्टी ने कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में मिली हार के बाद अपनी रणनीति में बदलाव करने का भी फैसला लिया है। अब दक्षिण, उत्तर और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए अलग-अलग रणनीति पर भाजपा काम करेगी। आइए जानते हैं भारतीय जनता पार्टी ने किन-किन रणनीतियों पर काम करना शुरू किया है? आखिर पार्टी को क्यों बदलनी पड़ी पुरानी रणनीति?

किस रणनीति पर काम कर रही भाजपा?

इसे समझने के लिए हमने राजनीतिक विश्लेषक प्रो. अजय कुमार सिंह से बात की। उन्होंने कहा, %इस वक्त हर कोई लोकसभा और आने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए काम कर रहा है। पिछले कुछ चुनाव के नतीजों को देखते हुए पार्टी ने अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। संघ की चेतावनी का भी असर पड़ा है। यही कारण है कि अब भाजपा ने चार अलग-अलग रणनीति तैयार की है।

उत्तर, दक्षिण और पूर्वोत्तर के लिए अलग

पार्टी ने उत्तर, दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए अलग-अलग रणनीति पर काम करने का फैसला लिया है। पार्टी की रणनीति क्षेत्रीय मुद्दों के हिसाब से होगी। हालांकि, कुछ ऐसे भी मुद्दे रहेंगे जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।

हिंदुत्व और जातिगत मुद्दे का भी आधार

उत्तर भारत में हिंदुत्व का मुद्दा काफी मददगार साबित हो सकता है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड जैसे राज्यों में हिंदुत्व के सहारे पार्टी आगे बढ़ेगी। कुछ राज्यों में जातिगत मुद्दों को भी उठाया जाएगा।

केंद्रीय योजनाओं के लाभार्थियों के लिए

ये भी एक बड़ा कदम है। 2014 के बाद से अब तक केंद्र सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इन योजनाओं के करोड़ों लाभार्थी हैं। पार्टी इन लाभार्थियों को एक अलग वोटबैंक बनाने में जुटी है। इन लाभार्थियों से पार्टी के कार्यकर्ता लगातार संपर्क में रहेंगे और उन्हें भाजपा से जोड़ने की कोशिश करेंगे।

पार्टी ने क्यों बदली रणनीति

प्रो. अजय कुमार सिंह कहते हैं, %2014 के बाद से भाजपा ने भ्रष्टाचार, राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के सहारे ही कई चुनावों में बड़ी जीत हासिल की। अब जनता पुराने मुद्दों की बजाय नए मुद्दों पर बात करना चाहती है। सरकार से रिजल्ट चाहती है। विकास कार्यों और उन मसलों पर जवाब चाहती है, जिनके सहारे पार्टी ने सत्ता हासिल की थी। यही कारण है कि हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में भाजपा को हार का सामना भी करना पड़ा। अब पार्टी ने इन हार से सबक लेते हुए रणनीति बदलने का फैसला ले लिया है। पिछले दिनों संघ ने भी अपने एक लेख में इसका जिक्र किया था।%

प्रो. अजय के मुताबिक, %उत्तर भारत में हिंदुत्व और मोदी का चेहरा काम कर जाता है, लेकिन दक्षिण में स्थिति अलग है। दक्षिण में मोदी का चेहरा तो लोग पसंद करते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर भी वह बात करना चाहते हैं। यही कारण है कि अब भाजपा ने स्थानीय मुद्दों को आगे रखकर चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।

सभी मंत्री क्षेत्र में करेंगे प्रवास

केंद्र और भाजपा शासित सभी राज्यों के मंत्रियों को क्षेत्र में प्रवास करने के लिए कहा गया है। पार्टी के अंदर के सारे मतभेद को भी दूर करने के लिए कहा गया है।

छोटे दलों को साथ लाने की कोशिश

पार्टी ने अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग छोटे दलों को साथ लाने का भी फैसला किया है। इसके अलावा पुराने सहयोगियों से भी पार्टी संपर्क में है। इसके जरिए भाजपा विपक्ष के गठबंधन को चुनौती देगी।

देश के प्रत्येक व्यक्ति को मोदी सरकार की योजनाओं का लाभ मिला: माथुर

गरीबों का आवास, राशन खाने वाले भूपेश बघेल प्रदेश को बर्बाद कर रहे हैं : अरुण साव, 100 नए मतदाताओं का हुआ सम्मान

धमतरी। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर सेवा सुशासन और गरीब कल्याण का महाजनसंपर्क अभियान भारतीय जनता पार्टी द्वारा देश भर में चलाया जा रहा है जिसमें सोमवार को बड़े पैमाने पर लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन स्थानीय पुरानी मंडी में किया गया जहाँ केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ लेने वाले तीन हजार से अधिक लाभार्थियों का सम्मान किया गया।

लाभार्थी सम्मेलन में छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी ओम माथुर एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव,पूर्व मंत्री कुरूद विधायक अजय चंद्राकर,पूर्व मंत्री चंद्रशेखर साहू,रायपुर संभाग प्रभारी अकलतरा विधायक सौरभ सिंह, सांसद चुन्नीलाल साहू, विधायक रंजना साहू,पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू,भाजपा नेता छत्तीसगढ़ी स्टार अनुज शर्मा, धमतरी जिला प्रभारी नीलू शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष ठाकुर शशि पवार सहित तमाम बड़े नेता शामिल हुए,वहीं विभिन्न क्षेत्रों से 1200 से अधिक लोगों ने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में भाजपा का दामन थामा जिसमें प्रमुख रूप से धमतरी के जाने माने समाजसेवी पूर्व कांग्रेस नेता नेता पंडित राजेश

शर्मा, महिला कांग्रेस प्रदेश नेता ईश्वरी पटवा,प्रोफेसर चंद्रशेखर चौबे,एच पी सिन्हा,डी पी भार्गव,पी वी पराड़कर, गौरीशंकर दुबे,राजकुमार शर्मा, चंद्रिका साहू, निखिल अग्रवाल, चंदू जैसवानी, विकास शर्मा सहित 1200 से अधिक लोगों ने भाजपा प्रवेश किया।

उपस्थित लाभार्थियों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने हर वर्ग के लिए ऐतिहसिक काम किये हैं 60 साल देश में राज करने वाली कांग्रेस ने जनता की मूलभूत जरूरतें भी पूरी नहीं कि,2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार आते ही स्वच्छता अभियान,घर घर शौचालय, प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला योजना,कोरोना की महामारी के बीच देश के करोड़ों लोगों को मुफ्त टिका और कोरोना महामारी के समय से लेकर अब तक देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया,प्रत्येक घर में नल जल योजना के माध्यम से शुद्ध पेयजल जैसी तमाम योजनाओं को जनता के लिए लाया जिसका लाभ देश के प्रत्येक व्यक्ति को मिला है,मोदी सरकार जनता के हित में जितने जनकल्याणकारी कार्य किये हैं वह अविस्मरणीय हैं भारत के विकास में मील का पत्थर हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा एकतरफ केंद्र ने जनता के हितों में अनगिनत कार्य किये हैं तो दूसरी तरफभूपेश बघेल की सरकार ने गरीबों का राशन खाया है प्रधानमंत्री आवास से लोगों को वंचित किया है,इस सरकार ने विपक्ष की आवाज़ दबाने का प्रयास किया है कमीशनखोरी भ्रष्टाचारी अपने चरम पर है जिससे जनता बेहद त्रस्त और परेशान है, हम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं,सांसद चुन्नीलाल साहू ने कहा मोदी सरकार जनहितैषी योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति के सम्पूर्ण विकास के भाव को लेकर जनता के बीच है जिसका लाभ प्रत्येक नागरिक को मिल रहा है।

पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा शराब के नाम पर करोड़ों का घोटाला करने वाली इस सरकार की जड़ें हिल चुकी है इन्हें सत्ता से बाहर जाने से कोई नहीं रोक सकता। विधायक रंजना साहू ने कहा महिला सशक्तिकरण की मिसाल मोदी सरकार ने पेश की है उज्ज्वला योजना,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,नारी तू नारायणी, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आयुष्मान योजना जैसी योजनाओं से जनता की सेवा की है,भाजपा जिला अध्यक्ष शशि पवार में कहा जनधन योजना से डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर से केंद्र से जारी राशि का सीधा लाभ किसानों को मिल रहा है जिससे प्रदेश का किसान समृद्ध हो रहा है। इसी बीच सौ से अधिक नवमतदाताओं का सम्मान भी किया गया,उक्त अवसर पर हजारों संख्या में आमजन और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर्व आदिवासी समाज आरक्षण बहाली को लेकर करेगा बड़ा आंदोलन

जगदलपुर। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र बस्तर में आदिवासी स्थानीय आरक्षण को बहाल को लेकर एक बड़ा आंदोलन करने जा रही है। 21 जून को बस्तर संभाग सहित प्रदेश के सभी जिलों में सर्व आदिवासी समाज धरना प्रदर्शन करेने वाली है। यह निर्णय सोमवार को जगदलपुर के तेतरखूंटी में आयोजित बैठक में लिया गया। सोमवार को हुई इस बैठक में विशेष रूप से 5वीं अनुसूची क्षेत्रों में स्थानीय आरक्षण बहाल करने और स्थानीय आदिवासियों की भर्ती, अनुसूचित क्षेत्रों में गैर आदिवासियों जमीन लीज के संबंध में, पेशा अधिनियम 2022 संसोधन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में सर्व सम्मति से 21 जून को आरक्षण बहाली धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है।

पेशा का हो विस्तार

युवा प्रभाग के ललित नरेटी ने कहा कि बस्तर 5वीं अनुसूचित क्षेत्र है। इसके लिए अलग नियम कानून है। पेशा नियम को आज बस्तर के प्रत्येक गांव गांव तक पहुंचाने की आवश्यकता है। जिससे ग्राम सभा सशक्त और मजबूत होगा। पेशा कानून और वनाधिकार कानून के तहत अनुसूची क्षेत्रों में सामुदायिक पट्टा बनाने की दिशा में बेहतर कार्य हो रहा है।

आंदोलन की चेतावनी

सर्व आदिवासी समाज के संभागीय अध्यक्ष प्रकाश ठाकुर ने कहा कि 21 जून को होने वाले आरक्षण बहाली आंदोलन के बस्तर संभाग निर्णय के अनुसार पूरे प्रदेश में धरना प्रदर्शन करके रैल्ली के माध्यम से जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके साथ ही सरकार को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया जाएगा। यदि मांग पूरी नहीं होती है तो आगामी दिनों में अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी। जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

बस्तर की स्थानीय भर्तियों में 100% आरक्षण की मांग

नारायणपुर। बस्तर संभाग में अनुसूचित जनजाति वर्ग की समस्याओं लेकर जिला स्तरीय बैठक का आयोजन हुआ।जिसमें अनुसूचित जाति वर्ग के हितों के समाधान के लिए संघर्ष करने की रणनीति बनाने पर जोर दिया गया।जिसमें आगामी दिनों में बस्तर संभाग में अधिकारों की रक्षा के लिए बड़ा आंदोलन करने की तैयारी करने की बात कही गई।

इस बैठक में शामिल होने आए पदाधिकारियों ने बताया कि बस्तर संभाग के सभी जिले आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के बावजूद आदिवासी हित की अनदेखी सरकार की ओर से हो रही है।संवैधानिक अधिकारों पर लगातार कुठाराघात हो रहा है।जिसके कारण वर्तमान में आदिवासी समाज आक्रोशित है। भविष्य में किसी बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार हो सकती है।

पांचवीं अनुसूचित क्षेत्र नारायणपुर जिले के विकासखण्ड और जिला स्तरीय संस्थाओं, कार्यालयों में अजजा वर्ग के अधिकारियों की पदस्थापना , जिला स्तरीय तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग की स्थानीय भर्तियों में 100 प्रतिशत आरक्षण एवं मूल निवासी को ही प्राथमिकता, अनुसूचित क्षेत्रों में शिक्षक भर्ती में आदिवासी शिक्षित बेरोजगारों के लिए डीएड,बीएड एवं टीईटी की अनिवार्यता को शिथिल करने, आदिवासी विकास विभाग नारायणपुर के अधीन छात्रावासों, आश्रमों में अजजा वर्ग के अधीक्षकों की नियुक्ति एवं जिला स्तर पर प्रत्येक कार्यालयों, विभागों में अनुकम्पा एवं पदोन्नति हेतु पद आरक्षित रखने संबंधी पांच सूत्रीय मांग का ज्ञापन प्रांताध्यक्ष को सौंपा गया।

बीएसएफ-डीआरजी जवानों ने महिला नक्सली को मार गिराया

तीन घंटे में 100 राउंड फायरिंग

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर में सोमवार सुबह हुई मुठभेड़ में जवानों ने एक महिला नक्सली को मार गिराया। मारी गई महिला नक्सली की पहचान सुनीता के रूप में हुई है। उसके ऊपर पांच लाख रुपये का इनाम था। पुलिस उसे एरिया कमेटी का सदस्य बता रही है। साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि, वह बड़े नक्सली लीडर बलदेव आरकेबी डिवीजन के स्पेशल जोनल कमेटी प्रभारी के सहायक के रूप में काम कर रही थी। मौके पर जवानों ने एक रायफल भी बरामद की है। मुठभेड़ छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में हुई थी।

एसपी दिव्यंग पटेल ने बताया कि ग्राम बिनागुण्डा जंगल पहाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी पर बीएसएफ की 132वीं और 94वीं बटालियन के साथ जिला पुलिस की संयुक्त टीम रवाना हुई थी। इस दौरान सुबह करीब 7 बजे घात लगाए नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में जवानों ने भी कार्रवाई की। करीब तीन घंटे चली मुठभेड़ के बाद नक्सली वहां से जान बचाकर भाग निकले। इस दौरान 100 राउंड फायरिंग दोनों ओर से की गई। इसके बाद जवानों ने इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन शुरू किया।

जवानों को मौके से एक महिला नक्सली का शव बरामद हुआ था। वहीं 303 बोर की रायफल और दैनिक उपयोग का सामान भी मिला है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में बड़े नक्सली लीडरों की मौजूदगी थी। जिसमें आरकेबी डिवीजन के बलदेव सहित, मेढकी एलओएस की लीडर रूपी जैसे नक्सली मौजूद थे। क्षेत्र मे लगातार आरकेबी डिवीजन के बड़े लीडर की मौजूदगी हो रही है। हाल ही में मदनवाड़ा-कोडेकुर्से संयुक्त एलओएस सदस्य एक लाख के इनामी फगनी पोडियामी को भी जवानों ने घायल हालत में पकड़ा था।

ज्यादातर पंचायतों में निर्विरोध निर्वाचित हुए

जगदलपुर। बस्तर जिले में त्रि-स्तरीय पंचायत उप चुनाव में नाम दाखिला की अंतिम तिथि 12 जून के बाद ज्यादातर पंचायतो में सरपंच और पंच पदों के लिए एक ही प्रत्याशी के खड़े होने पर निर्विरोध जीत की स्थिति बनी है। उपचुनाव में सरपंच के तीन पद और पंच के 15 पद के लिए चुनाव होने थे, लेकिन अब मात्र तितिरगांव में पद के लिए और सरपंच पद के लिए के मरेठा में ही आने वाले दिनों 27 जून को चुनाव होंगे। उपचुनाव में सरपंच के तीन पदों में से दो सरपंच निर्विरोध हो गये हैं, वहीं पंच के 15 पदों में से 12 पदों में निर्विरोध एक ही प्रत्याशी के होने से मतदान की आवश्यकता ही नही है।

जिला निर्वाचन शाखा से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत इच्छापुर, बुरुंदवाड़ा सेमरा और मरेठा में सरपंच पद के चुनाव होने थे। जिसमें से जगदलपुर ब्लाक के ग्राम बुरुंदवाड़ा सेमरा और बस्तर ब्लाक के ग्राम इच्छापुर में एक ही प्रत्याशी के खड़े होने पर एक तरह से वे निर्विरोध जीत के दावे कर रहे है। वहीं बकावंड ब्लाक के मरेठा में सरपंच पद के लिए प्रत्याशियों के बीच चुनाव होगा। इसी तरह पंच के 15 रिक्त पदों में से 12 पदों पर एक ही प्रत्याशी के आवेदन किए जाने से निर्विरोध जीत हासिल हुई है। इन पंचायतों के नाम हैं - सालेमेटा, रेटावण्ड, चोकनार, लावागांव, बिलोरी-1, पोटानार, मोरठपाल, एर्राकुट, कंडोली, बड़े कड़मा, चिड़पाल, मारहूम ग्राम पंचायत हैं। जबकि पंडरीपारी-2 और बड़े काकलूर-1 में एक भी प्रत्याशी ने पंच के लिए नाम दाखिल नहीं किया है, ऐसे में तितिरगांव पंच पद और सरपंच पद के लिए मरेठा में ही आने वाले दिनों 27 जून को चुनाव होंगे।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

प्राइवेट यार्ड से 50 हजार लीटर पेट्रोल-डीजल जब्त

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा में मंगलवार को एक प्राइवेट यार्ड में छापा मारकर 50 हजार लीटर पेट्रोल और डीजल जब्त किया गया है। यह प्राइवेट यार्ड इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के टर्मिनल के पास ही है। यहां ओडिशा के पारादीप रिफाइनरी से पाइप लाइन के जरिए डीजल पेट्रोल सप्लाई की जाती है। यह कार्रवाई जिला प्रशासन की टीम ने की है। गोपालपुर के पास यार्ड एक प्राइवेट यार्ड में प्रशासन की टीम को बड़ी मात्रा में ईंधन डंप किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने वहां पर छापा मारा। इस दौरान मौके पर तीन टैंकर मिले, जिसे उनके चालक लेकर पहुंचे थे। टीम ने यार्ड से करीब 50 हजार लीटर पेट्रोल-डीजल जब्त किया है। उसे ड्रम और गैलेन में भरकर रखा गया था। इस मामले में यार्ड संचालक और टैंकर चालकों से पूछताछ की जा रही है। यार्ड के पास ही आईओसी का कार्यालय भी संचालित होता है। ओडिशा की पारदीप रिफाइनरी से पाइप लाइन के जरिए आने वाले डीजल और पेट्रोल को यहीं से प्रदेश के अलग-अलग जिलों के फ्यूल्स सर्विस सेंटर को टैंकर के माध्यम से आपूर्ति की जाती है।

पुरखौती सम्मान यात्रा का सांकरा में जोरदार स्वागत

नगरी। आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा सोनाखान शहीद वीर नारायण सिंह के पावन धरा से निकलकर गरियाबंद होते हुए सिहावा विधानसभा क्षेत्र में पहुंची, जहां मैनपुर से स्वागत करके साकरा पहुंची. सांकरा में ग्रामवासी एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे अजजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम, पूर्व विधायक सिहावा श्रवण मरकाम एवं अजजा मोर्चा जिला अध्यक्ष महेंद्र नेताम का जोरदार स्वागत किया गया। विकास मरकाम ने सभा को संबोधित किया एवं सभी को बधाइयां दी। कार्यक्रम में जिला मंत्री प्रेमलता नागवंशी, जनपद अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम, मीडिया प्रभारी रामगोपाल साहू, श्यामन्त बिसेन जनपद सदस्य, ईश्वरी नेताम सरपंच कुम्हड़ा, बिमला ध्रुव सरपंच मेचका, जन्मेजय साहू, पवन कुमार साहू, गिरवर भंडारी, नागेंद्र बोर्झा, साधुराम साहू, ओमी ठाकुर, सुलोचना साहू, नरसिंग मरकाम, जनक साहू, रामेश्वर साहू, मीराबाई साहू, सती मरकाम, शकुन साहू सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रदेश में लंपी वायरस की पुष्टि तीन मवेशी संक्रमित मिले

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में लम्पी वायरस की पुष्टि हो गई है। जिले के सहसपुर लोहारा विकासखण्ड के तीन जानवरों के सैंपल में संक्रामक रोग लम्पी वायरस की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। पशुधन विकास विभाग ने 17 मवेशियों के सैंपल जांच के लिए भेजे थे। हालांकि प्रशासन का दावा है कि, लोहारा सहित सभी विकासखण्डों में स्थिति नियंत्रण में है। कलेक्टर के निर्देश पर पशुधन विकास विभाग ने मवेशियों में होने वाली संक्रामक बीमारियों के रोकथाम और नियंत्रण के लिए टीकाकरण अभियान जारी है। उपसंचालक पशुधन विकास डॉ. एसके मिश्रा ने बताया कि, विभाग ने भारत कृषि अनुसंधान परिषद भोपाल में सैंपल जांच के लिए भेजा था। इनमें से 14 की रिपोर्ट निगेटिव आई है। पिछले एक माह से जिले में मवेशियों में फैल रही संक्रामक बीमारियों के रोकथाम के लिए मिशन मोड पर टीकाकरण अभियान चलाया गया था। इसके परिणाम स्वरूप वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। जिन गांवों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है, वहां मवेशियों का शतप्रतिशत टीकारण कराया जाए।

भाजपा ने डॉक्टर की मांग को लेकर किया चक्काजाम

बीजापुर। मोदकपाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

में डॉक्टर की मांग को लेकर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के नेतृत्व में भाजपाइयों ने मोदकपाल से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग में एक घण्टे तक चक्काजाम कर प्रर्दशन किया इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग में दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगी रही। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने विधायक विक्रम पर सत्ता आने के बाद नियत खराब होने का लगाया आरोप लगाते हुए उन्होने कहा कि विधायक को जनता की चिन्ता नही है, इसीलिए डाक्टरो की नियुक्ति नही की जा रही है। उन्होने कहा कि अस्पताल में डॉक्टर नही होने से जनता परेशान हो रही है, लेकिन विधायक की नीयत जनसेवा में नही तिजोरी भरने में लगे हुए हैं। पूर्व मंत्री गागड़ा ने जिला प्रशासन से कहा कि विधायक के चक्कर मे पैसे पर नियत खराब मत करो, जनता के कामो को प्राथमिकता दो, सरकारें आयेगी और जाएगी आपको अपना काम ईमानदारी से करना है।

पुल से 20 फीट नीचे गिरी बस चालक सहित तीन घायल

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती में मंगलवार को

एक बस अनियंत्रित होकर पुल से करीब 20 फीट नीचे जा गिरी। बस में कोई यात्री नहीं होने से बड़ा हादसा टल गया। हालांकि बस चालक सहित तीन लोग घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि सामने से आ रहे एक अन्य वाहन को बचाने के चक्कर में हादसा हुआ है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। हादसा मालखरौदा थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, मालखरौदा ब्लॉक के सकर्रा दराभाटा में यात्री बस अनियंत्रित होकर पुल से नीचे जा गिरी। हादसे में बस में सवार चालक, हेल्पर और कंडक्टर घायल हो गए हैं। तीनों बस खराब होने के चलते उसे बनवाकर बिलासपुर से लौट रहे थे। तभी रास्ते में हादसा हो गया। हादसे में सबसे ज्यादा चोट हेल्पर को आई है। उसका उपचार अस्पताल में जारी है। फिलहाल पुलिस बस को निकलवाने का प्रयास कर रही है।

संविदा कर्मचारी महासंघ का अनोखा प्रदर्शन, ढोल नगाड़ों के साथ निकाली रैली

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस सरकार ने चुनाव से पहले जनघोषणा पत्र में नियमितिकरण का वादा किया था। जो अब तक पूरा नहीं हो सकता है।लिहाजा सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ 16 मई 2023 से 21 जून 2023 तक राज्य के 33 जिले के जिलाधीश को ज्ञापन सौंपने संविदा नियमितिकरण रथयात्रा निकाल रहा है।इसी कड़ी में दंतेवाड़ा में प्रदर्शन किया गया।

दंतेवाड़ा में पहुंची संविदा कर्मियों की रथयात्रा

विरोध के 21वें दिन बीजापुर जिले से रथ दंतेवाड़ा पहुंची। जिसका गीदम में भव्य स्वागत हुआ। रथ की पूजा अर्चना कर बस्तर के पारंपरिक रीति रिवाजों से प्रदेश अध्यक्ष और प्रांतीय टीम का स्वागत किया गया। जिला दंतेवाड़ा के सभी संविदा

कर्मचारियों ने गीदम नगर से बाइक रैली निकालकर अपनी नियमितीकरण की मांग को बुलंद किया। गीदम नगर से बाइक रैली मां दंतेश्वरी की पावन नगरी दंतेवाड़ा पहुंची। जहां पर मां दंतेश्वरी के दर्शन के बाद संविदा कर्मचारियों ने पूजा अर्चना की।

ढोल नगाड़े बजाकर प्रदर्शन

विरोध जताते हुए संविदा कर्मचारी ढोल नाचा के साथ मां दंतेश्वरी मंदिर से पदयात्रा करते हुए दुर्गा पंडाल पहुंचे। छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के प्रांताध्यक्ष कौशलेश तिवारी ने इस दौरान कहा कि %% भूपेश सरकार के पास अब बहुत कम समय शेष है। सरकार ने इन कर्मचारियों से जनघोषण पत्र में वादा के बाद भी अभी तक किसी भी प्रकार से संवाद कायम नहीं की है। संविदाकर्मी गैर लोकतांत्रिक एवं सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगा रहे हैं। कर्मचारी महासंघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी सूरज सिंह ठाकुर के मुताबिक पिछले साढ़े चार साल में सैकड़ों आवेदन निवेदन किए गए है। लेकिन सरकार संवादहीन और हम कर्मचारियों के लिए संवेदनहीन है।आज तक सरकार ने किसी तरह का पत्राचार नहीं किया है। जिसके कारण कर्मचारी महासंघ आक्रोशित है।

संविदा कर्मचारी महासंघ ने सरकार को दी चेतावनी

आपको बता दें कि कर्मचारी महासंघ ने मांगों को पूरा नहीं करने पर सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी है। फिलहाल रथ यात्रा के माध्यम से हर जिले में समर्थन जुटाया जा रहा है। यात्रा का अंतिम पड़ाव रायपुर में होगा।जहां विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।

कलेक्टर को लिखा पत्र, शिक्षा सत्र 1 जुलाई के पश्चात् प्रारंभ करें : बाफना

जगदलपुर। बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए भाजपा के पूर्व विधायक संतोष बाफना ने नवीन शिक्षा सत्र 1 जुलाई के पश्चात् प्रारंभ करने को लेकर जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर अनुरोध किया है।

मौसम विभाग ने भी जारी किया अलर्ट-बाफना ने अपने पत्र में बढ़ती गर्मी को लेकर मौसम विभाग द्वारा जारी किये गए अलर्ट का उल्लेख करते हुए कहा है कि, मौसम विभाग द्वारा बढ़ती गर्मी को लेकर पूरे बस्तर जिले में हीट वेव चलने की आशंका जताई है, ताकि लोगों को लू की चपेट में आने से बचाया जा सके। मालूम हो कि, स्कूली बच्चों के ग्रीष्मावकाश खत्म होने के बाद शिक्षा विभाग दिनांक 16 जून से जिले के सभी स्कूलों में नवीन शिक्षा सत्र शुरू करने की तैयारियों में जुटा है। ऐसे में इस चिलचिलाती गर्मी, भीषण लू चलने के कारण सबसे अधिक प्रभावित स्कूल में बढ़ने वाले बच्चे होंगे, उनके बीमार होने का खतरा बढ़ेगा। जो कि, अभिभावकों के लिए भी चिंताजनक है। बता दें कि, अभी बस्तर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर चूका है और मॉनसून आने में अभी कई दिन बचे हुए हैं और यहाँ फ्लिहाल बारिश की भी संभावना नज़र नहीं आ रही है। इसके चलते ही लगातार तपिश बढ़ती चली जा रही है। बाफना की मांग, भीषण लू को देखते हुए स्कूलों की छुट्टियां घोषित करें। पूर्व विधायक बाफना ने कलेक्टर से अत्यधिक गर्मी पड़ने और लू को ध्यान में रखते हुए बस्तर जिले के सभी सरकारी, गैर सरकारी, सहायता प्राप्त, गैर सहायता प्राप्त एवं निजी स्कूलों में 16 जून से प्रारंभ होने वाली समस्त शैक्षणिक गतिविधियों एवं कक्षा संचालन पर रोक लगाते हुए सभी स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर नवीन शिक्षा सत्र 1 जुलाई के पश्चात् ही प्रारंभ करने का अनुरोध किया है ताकि इस भीषण गर्मी में बच्चों के साथ ही अभिभावकों को भी राहत मिल सके।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

पीएम मोदी ने 70,000 युवाओं को सौंपा नियुक्ति पत्र

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को रोजगार मेले के तहत 70,126 नव-नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार मेले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारों की पहचान बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आज निजी व सरकारी क्षेत्र में नौकरियों के अवसर बन रहे हैं और जिस पैमाने पर युवाओं को नौकरी दी गई है, वह 'अभूतपूर्व' है। उन्होंने कहा, 'सरकारी नौकरी देने वाले प्रमुख संस्थानों- संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग और रेलवे भर्ती बोर्ड ने पहले के मुकाबले ज्यादा युवाओं को नौकरी दी हैं। इन संस्थाओं का जोर परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाने पर भी रहा है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को लेकर जितना विश्वास और उसकी अर्थव्यवस्था पर जितना भरोसा आज है, वह पहले कभी नहीं रहा।

भ्रष्टाचार व पेपर लीक मामले में भाजपा का जयपुर में प्रदर्शन

जयपुर। राजस्थान में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भ्रष्टाचार एवं पेपर लीक के मुद्दे को लेकर मंगलवार को राजधानी जयपुर में कांग्रेस सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के पास एक जनसभा के बाद सचिवालय की ओर मार्च शुरू किया। हालांकि, पुलिस ने उन्हें स्टैच्यू सर्किल पर रोक लिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, राज्यसभा सदस्य किरोड़ी मीणा समेत अन्य नेताओं ने पुलिस बैरिकेडिंग के खिलाफ सांकेतिक धरना दिया। कार्यकर्ताओं ने कुछ देर के धरने के बाद वहां भ्रष्टाचार का प्रतीकात्मक पुतला फूंका। इसके कुछ देर बाद ही पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछार की। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष जोशी और अन्य नेताओं को पुलिस बस में बैठाकर ले गई। इससे पहले जोशी ने कहा, आंदोलन कांग्रेस सरकार के कुशासन के खिलाफ है। गहलोत सरकार ने युवाओं को ठगा है और उनके सपनों को लूटा है।

शिवसेना के विज्ञापन पर फोटो को लेकर राजनीतिक बवाल

मुंबई। महाराष्ट्र में आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति लगातार जारी रहती है। महाराष्ट्र में हाल में ही शिवसेना की ओर से एक विज्ञापन जारी किया गया था। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के विज्ञापन पर नेता प्रतिपक्ष अजित पवार की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अपने राजनीतिक जीवन में ऐसा आज तक कभी भी नहीं देखा है। दरअसल, एकनाथ शिंदे गुट द्वारा प्रकाशित कराए गए इस विज्ञापन में एकनाथ शिंदे को बतौर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से ज्यादा पॉपुलर बताया गया है। इसी को लेकर अजित पवार की प्रतिक्रिया आई है। महाराष्ट्र के नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने कहा कि मैंने आज तक अपने राजनीतिक जीवन में इस तरह का विज्ञापन नहीं देखा जो आज के अखबारों में देखा। विज्ञापन में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम शिंदे की फोटो थी। उन्होंने कहा कि वे (शिवसेना) कहते हैं कि वे बालासाहेब ठाकरे के सैनिक हैं, जबकि विज्ञापन से बालासाहेब ठाकरे और आनंद दीघे की तस्वीरें गायब थीं। महाराष्ट्र में भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सरकार है।

ईडी के सामने पेश नहीं हुए अभिषेक बनर्जी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की मंगलवार को कोलकाता के ईडी दफ्तर में पेशी थी। उन्होंने बताया कि वह फिलहाल जन संजोग यात्रा में व्यस्त होने के कारण ईडी के दफ्तर में उपलब्ध नहीं हो पाएंगे। उन्होंने ईडी को एक संदेश भेजा है, जिसमें बताया कि वह फिलहाल कोलकाता में नहीं है। बनर्जी ने कहा- वर्तमान में मैं कोलकाता में नहीं हूं। फिलहाल मैं अपने राज्य के लोगों से जुड़ने के लिए राज्यव्यापी यात्रा कर रहा हूं। राज्य में आठ जुलाई को पंचायत चुनाव होने की घोषणा के बाद मैं उसमें व्यस्त हूं। मांगी गई दस्तावेज और अधिकांश जानकारी पहले से ही उपयुक्त सरकारी अधिकारियों और विभागों के पास उपलब्ध हैं। कानून की अनुमेय सीमा के भीतर मैं इस जांच में अपना पूरा सहयोग दूंगा। संदर्भित तिथि के तहत आपके कार्यालय द्वारा मांगे दस्तावेजों को समेटने की प्रक्रिया में लगा हुआ हूं। अभिषेक बनर्जी की जन संजोग यात्रा की शुरुआत 25 अप्रैल को हुई थी।

अन्नामलाई के बयान ने दक्षिण में बढ़ाई भाजपा की परेशानी

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई के ताजा बयान से दक्षिण में अपनी पकड़ बनाने की भाजपा की कोशिशों को झटका लग सकता है। दरअसल के अन्नामलाई ने एक इंटरव्यू के दौरान राज्य की पूर्व सीएम और राज्य में सहयोगी पार्टी एआईएडीएमके की पूर्व अध्यक्ष जयललिता पर परोक्ष रूप से भ्रष्टाचार का आरोप लगा दिया था। अन्नामलाई के इस बयान से एआईएडीएमके बेहद नाराज है और पार्टी ने गठबंधन तोड़ने की धमकी दी है। एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता डी जयकुमार ने नाराजगी जताते हुए कहा कि अन्नामलाई किसी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष होने के लायक नहीं हैं। उन्हें सोच-समझकर बोलना चाहिए। हमें लगता है कि वह गठबंधन को आगे जारी नहीं रखना चाहते हैं और ना वह चाहते हैं कि पीएम मोदी तीसरी बार चुनाव जीतें। डी जयकुमार ने कहा कि अन्नामलाई तमिलनाडु राजनीति का इतिहास नहीं जानते हैं।

ट्विटर को लेकर डोर्सी के आरोपों पर कांग्रेस ने केंद्र को घेरा, कहा-

लोकतंत्र को कमजोर करने की बात साबित : कांग्रेस

नई दिल्ली। ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी ने भारत सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस पर कांग्रेस पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार पर हमलावर हो गई। मंगलवार को कांग्रेस ने कहा कि इस लोकतांत्रिक देश में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। ट्विटर को धमकाया जाता था कि अगर किसानों को दिखाओगे तो भारत में बोरिया-बिस्तर समेट देंगे। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मदर ऑफ डेमोक्रेसी में मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी किया जा रहा है। जब तीन काले कृषि कानून आए थे। जब किसानों का दमन किया जा रहा था। जब किसान एक साल से अधिक समय तक जाड़ा, गर्मी, बरसात, ओले हर परिस्थितियों में डटे हुए थे। जब किसान काले कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे तब बजाए समाधान ढूंढने के उन्हें मवाली, खालिस्तानी, पाकिस्तानी, आतंकी तो कहा ही जा रहा था साथ-साथ ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म को धमकाया भी जा रहा था। उन्हें कहा जा रहा था कि अगर किसानों को दिखाया तो भारत में आपका बोरिया-बिस्तर हम समेट देंगे और आपके खिलाफ छापेमारी की जाएगी।

श्रीनेत ने निशाना साधते हुए आगे कहा कि सरकार तब तक शांत रही जब तक 700 किसान दिल्ली में शहीद नहीं हो गए। चुनावी नफा-नुकसान देखते हुए सरकार ने काले कानूनों को वापस लिया। भाजपा नेताओं ने बरगलाने के लिए टूलकिट का मामला उठा दिया। आरोप लगाया कि कांग्रेस टूलकिट का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि, उस टूलकिट को ट्विटर ने मैनिपुलेटेड मीडिया कहा था। इसके बाद 24 मई 2021 को ट्विटर के दफ्तरों, अधिकारियों के आवास पर छापे पड़ गए। अब समझ आता है कि यह सब किसान आंदोलन को दबाने के लिए किया गया था। सुप्रिया का आरोप है कि सरकार के कहने पर राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट पर भी छह महीने के लिए रोक लगाई गई थी। राहुल गांधी हमेशा कहते हैं देश के लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है। डोर्सी की टिप्पणी से यह बात प्रमाणित हो जाती है।

कपिल सिब्बल ने भी किया हमला

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि मैं सबसे पहले मैं जानना चाहूंगा कि जैक डोर्सी आखिर ऐसा बयान

क्यों देंगे? चंद्रशेखर कहते हैं कि यह झूठ है, भला वह झूठ क्यों बोलेगा? जैक डोर्सी के पास झूठ बोलने का कोई कारण नहीं है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार की निरंकुशता स्थापित हो चुकी थी। सरकार जैक को कहती थी कि पत्रकारों के अकाउंट को ब्लॉक करें, नहीं तो ट्विटर ऑफिस पर छापा मारा जाएगा। इससे साबित होता है कि देश में लोकतंत्र की आड़ में तानाशाही है।

ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी ने एक यूट्यूब चैनल ब्रेकिंग पॉइंट्स को इंटरव्यू दे रहे थे। इस दौरान उनसे कई सवाल पूछे गए। इन्हीं सवालों में एक सवाल था कि क्या कभी किसी सरकार की तरफ से उन पर दबाव बनाने की कोशिश की गई? इसके जवाब में डोर्सी ने बताया कि ऐसा कई बार हुआ और फिर डोर्सी ने भारत का उदाहरण दिया। अपनी बात को विस्तार में बताते हुए डोर्सी ने कहा कि सरकार की तरफ से उनके कर्मचारियों के घरों पर छापेमारी की बात कही गई। साथ ही नियमों का पालन नहीं करने पर ऑफिस बंद करने की भी धमकी दी गई। डोर्सी ने कहा कि यह सब भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में हुआ।

सरकार ने आरोपों पर पलटवार किया

जैक डोर्सी के आरोपों पर सरकार ने पलटवार किया है। भारत के आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ट्वीट करते हुए जैक डोर्सी के आरोपों को झूठा करार दिया है। चंद्रशेखर ने लिखा कि यह ट्विटर के इतिहास के उस धुंधले दौर को साफ करने की कोशिश है, जब ट्विटर डोर्सी के कार्यकाल में लगातार भारतीय कानूनों का उल्लंघन कर रहा था। साल 2020 से लेकर 2022 तक ट्विटर ने भारतीय कानूनों के मुताबिक काम नहीं किया और जून 2022 से भारतीय कानूनों का पालन शुरू किया। किसी को भी जेल नहीं हुई और ना ही ट्विटर को बंद किया गया। डोर्सी के कार्यकाल के दौरान ट्विटर को भारत की संप्रभुता और भारतीय कानूनों को स्वीकार करने में समस्या थी।

जैक डोर्सी के दावों पर अमित मालवीय का सवाल, क्या वह राहुल गांधी-कांग्रेस के टूलकिट का हिस्सा हैं?

नईदिल्ली। ट्विटर के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी के दावे को लेकर देश में बवाल मचा हुआ है। जैक डोर्सी के दावों को लेकर जहां विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर है तो वहीं भाजपा की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। भारत के दबाव वाले ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी के दावे पर बोले बीजेपी के अमित मालवीय ने कहा कि जैक डोर्सी ने अमेरिका और हर दूसरे देश के लिए जहां ट्विटर संचालित होता है, वही बात कही। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से, ट्विटर मनमाने ढंग से काम करना चाहता था जब जैक डोर्सी सीईओ थे। उन्होंने आरोप लगाया कि वे हर देश में खुद को कानून से ऊपर मानते थे... जब जैक डोर्सी इसकी कमान संभाल रहे थे तब ट्विटर देशों की संप्रभुता को कमजोर करने का काम कर रहा था। यह देशों की राष्ट्रीय राजनीति में दखल दे रहा था। राहुल गांधी अमेरिका में कई तत्वों से मिलते हैं और ऐसी बैठकों का खुलासा कभी नहीं किया जाता है। इसके तुरंत बाद जैक डॉर्सी ने ऐसा बयान दिया है। क्या जैक डोर्सी राहुल गांधी-कांग्रेस पार्टी के टूलकिट का हिस्सा हैं? केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जो कहा गया है वो सफेद झूठ है। वर्षों की नींद के बाद जागे जैक डोर्सी, अपने काले कारनामों पर परदा डालना चाहते हैं। जब दूसरे व्यक्ति द्वारा ट्वीटर को खरीदा गया तब ट्विटर फाइल्स में खुलासा हुआ कि किस तरह इस प्लैटफॉर्म का दुरुपयोग किया जाता था और पक्षपात किया जाता था...जब भारत में चुनाव आते हैं तब कई सारी विदेशी ताकतें जागती हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उनका प्रयास दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में विघ्न पैदा करना होता है।

नीतीश-तेजस्वी की काट खोजने जुटेंगे शीर्ष भाजपा नेता

पुराने सहयोगियों को साधने की हो रही तैयारी

पटना। नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव भाजपा के लिए केवल बिहार में ही अबूझ पहेली नहीं बन गए हैं, बल्कि अब वे राष्ट्रीय राजनीति में भी उसके सामने बड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। नीतीश का जातीय जनगणना का दांव चला तो भाजपा को केवल बिहार में ही नहीं, बल्कि उत्तर भारत के कई राज्यों से लेकर दक्षिण तक में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। इस चुनौती से निपटने के लिए भाजपा ने बिहार कोर कमेटी के दिग्गज नेताओं की शीर्ष बैठक 14 जून को पार्टी के दिल्ली स्थित मुख्यालय में बुलाई है। इसमें 2024 के लोकसभा चुनाव और 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी को तैयार करने की रणनीति पर विचार किया जाएगा।

सूत्रों के अनुसार, जिस तरह नीतीश कुमार 23 जून को विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक कर भाजपा को घेरने की रणनीति बना रहे हैं, उसके काट में भाजपा उन्हें उन्हीं के घर में घेरने की रणनीति बना रही है। उनके सहयोगी आरसीपी सिंह उसी समुदाय से आते हैं, जिससे स्वयं नीतीश कुमार आते हैं। लेकिन अब वे भाजपा के साथ आ चुके हैं और चर्चा है कि भाजपा उन्हें नीतीश कुमार के सामने चुनावी मैदान में उतारकर उनके घर में ही उन्हें घेरने की कोशिश कर सकती है।

नीतीश कुमार के बेहद भरोसेमंद साथी रहे जीतनराम मांझी के बेटे संतोष मांझी ने भी नीतीश मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया है। चर्चा है कि वे भी एनडीए का दामन थाम सकते हैं। इसी प्रकार नीतीश के कुछ अन्य सहयोगी भी आने वाले समय में उनकी मुश्किलें बढ़ाते हुए दिखाई पड़ सकते हैं। भाजपा ने राष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रवाद और हिंदुत्व के मुद्दे के सहारे दूसरे दलों को पीछे छोड़ने में सफलता पाई है। उत्तर भारत के ज्यादातर राज्यों में उसकी यह कोशिश सफल साबित हुई है, लेकिन बिहार में उसकी यह कोशिश अभी तक कामयाब नहीं हुई है।

बिहार भाजपा के एक नेता ने कहा कि बदलते

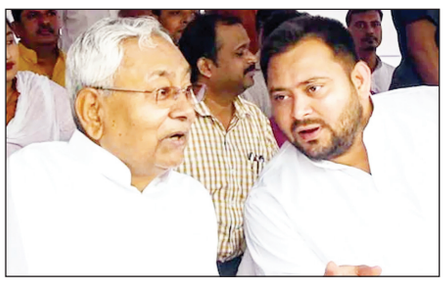

समय में नीतीश और तेजस्वी यादव की जातीय पकड़ कमजोर हुई है। तेजस्वी यादव की यादव जाति भी अब आरजेडी के पीछे एकजुट नहीं है। भाजपा ने इन जातियों के नित्यानंद राय और रामकृपाल यादव जैसे नेताओं को आगे बढ़ाने की जो मुहिम शुरू की थी, उससे यह जातीय गठबंधन टूटा है। इसी प्रकार आरसीपी सिंह और सम्राट चौधरी के आने से कुर्मी-कोइरी और कुर्मी जातियों के वोट बैंक में भी सेंध लगी है। यदि पार्टी महादलितों और अतिपिछड़ी जातियों के तिलस्म को तोड़ने में सफल रही, तो उसका समर्थन आधार बढ़ सकता है और बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

जानकारी के मुताबिक, पार्टी अलग-अलग जातीय समूहों को ध्यान में रखते हुए उनके युवा नेताओं को आगे बढ़ाकर युवाओं पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर सकती है, तो पार्टी के दिग्गज नेताओं को विभिन्न भूमिका देकर उनके अनुभव का लाभ उठाने की कोशिश कर सकती है।

बिहार कोर कमेटी की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी, प्रभारी विनोद तावड़े, सह प्रभारी सतीश द्विवेदी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री नागेंद्र सिंह सहित अन्य शीर्ष नेताओं को बुलाया गया है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन मंत्री बीएल संतोष और गृहमंत्री अमित शाह की उपस्थिति में होने वाली इस बैठक में बिहार के सभी समीकरणों पर विचार करते हुए जीत की राह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा होगी।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 12 जुलाई से टेस्ट सीरीज

नईदिल्ली। टीम इंडिया वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज से डब्ल्यूटीसी के नए चक्र की शुरुआत करेगी। भारत अपने वेस्टइंडीज दौरे की शुरुआत दो टेस्ट के साथ करेगा। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कार्यक्रम की घोषणा की। 12 जुलाई और 20 जुलाई से शुरू होने वाले दो टेस्ट मैच डोमिनिका और त्रिनिदाद में खेले जाएंगे। ये दो टेस्ट अगले चक्र के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत का पहला मैच होगा। टेस्ट सीरीज समापन के बाद टीमें तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलेंगी। पहले दो वनडे 27 जुलाई और 29 जुलाई को बारबाडोस में खेले जाएंगे। इसके बाद टीमें अंतिम एकदिवसीय और पहले टी20 के लिए त्रिनिदाद जाएंगी, जहां गुयाना अगले दो टी20 की मेजबानी करेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार सीरीज का दूसरा टेस्ट 20 से 24 जुलाई तक त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल में खेला जाएगा। भारत 27 जुलाई से एक अगस्त तक वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के साथ इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की अपनी तैयारी जारी रखेगा।

भारत बनाम वेस्टइंडीज

पहला टेस्ट: जुलाई 12-16, विंडसर पार्क, डोमिनिका। दूसरा टेस्ट: जुलाई 20-24, क्वींस पार्क ओवल, त्रिनिदाद। पहला वनडे: 27 जुलाई, केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस। दूसरा वनडे: 29 जुलाई, केंसिंग्टन ओवल, बारबाडोस। तीसरा वनडे: एक अगस्त, ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद। पहला टी20ई: अगस्त 3, ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी, त्रिनिदाद। दूसरा टी20: अगस्त 6, नेशनल स्टेडियम, गुयाना। तीसरा टी20: अगस्त 8, नेशनल स्टेडियम, गुयाना। चौथा टी20: अगस्त 12, ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम, लॉडरहिल, फ्लोरिडा। 5वां टी20: अगस्त 13, ब्रोवार्ड काउंटी स्टेडियम, लॉडरहिल, फ्लोरिडा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

63 हजारी हुआ सेंसेक्स निफ्टी 18,700 के पार

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार में शानदार तेजी देखी गई। बाजार ने हरे निशान पर कारोबार का समापन किया। आज के कारोबार में सेंसेक्स 418 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 115 अंकों की बढ़त दर्ज की गई। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,716.15 पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 418.45 अंक यानी 0.67 फीसदी की उछाल के साथ 63,143.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 63,177.47 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 62,777.04 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 114.65 अंक यानी 0.62 फीसदी की तेजी देखी गई। निफ्टी कारोबार के अंत में 18,716.15 अंक पर बंद हुआ।

फोर्ब्स ग्लोबल की सूची में रिलायंस 45वें स्थान पर पहुंचा

नईदिल्ली। फोर्ब्स की नवीनतम 'ग्लोबल 2000' सूची में अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड आठ पायदान चढ़कर 45वें स्थान पर पहुंच गई है। इस सूची में किसी भी भारतीय कंपनी के मुकाबले यह सर्वोच्च स्थान है। फोर्ब्स ने 2023 के लिए दुनिया की शीर्ष 2,000 कंपनियों की सूची जारी करते हुए कहा कि इसे चार कारकों- बिक्री, लाभ, संपत्ति और बाजार मूल्यांकन के आधार पर तैयार किया गया है। अमेरिका का सबसे बड़ा बैंक जेपी मॉर्गन 2011 के बाद पहली बार इस सूची में शीर्ष पर है। बैंक की कुल संपत्ति 3,700 अरब डॉलर है। वारेन बफेट की बर्कशायर हैथवे, जो पिछले साल सूची में सबसे ऊपर थी, वह इस साल निवेश पोर्टफोलियो में नुकसान के कारण 338वें स्थान पर आ गई। सऊदी तेल कंपनी अरामको दूसरे स्थान पर है, जिसके बाद तीन के तीन विशाल आकार के सरकारी बैंक हैं।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री बढ़कर 3,34,247 यूनिट रही

नईदिल्ली। घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में सालाना आधार पर 13.54 फीसदी बढ़कर 3,34,247 यूनिट रही। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसआईएएम के ताजा आंकड़ों के मुताबिक मई 2022 में विनिर्माताओं ने डीलरों को यात्री वाहनों की 2,94,392 यूनिट भेजीं। इस दौरान दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री 14,71,550 यूनिट रही, जो पिछले साल मई में 12,53,187 यूनिट थी। इस तरह इसमें 17.42 फीसदी की वृद्धि हुई। समीक्षाधीन अवधि में तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 48,732 यूनिट थी, जबकि मई 2022 में यह आंकड़ा 28,595 यूनिट था। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स ने कहा कि सभी श्रेणियों में कुल वाहन प्रेषण मई 2023 में 18,08,686 यूनिट इकाई रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 15,32,861 इकाई था।

जेएलआर 2025 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक हो जाएगी

नईदिल्ली। टाटा मोटर्स की लग्जरी कार ब्रांड जैगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने अपना फ्यूचर प्लान सामने रख दिया है। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा है कि कंपनी 2025 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक हो जाएगी। इतना ही नहीं जैगुआर के सभी मॉडल को भी इलेक्ट्रिक बनाया जाएगा। इसके साथ ही कंपनी ने आय का लक्ष्य भी बढ़ा दिया है। कुल मिलाकर जेएलआर को आधुनिक लग्जरी इलेक्ट्रिक व्हीकल ब्रांड बनाने की योजना है। कंपनी ने अपने आय के टारगेट को भी बढ़ा दिया है। निवेशकों के सामने एक प्रजेंटेशन में चेयरमैन ने कहा कि वो लक्ष्य लेकर चल रहे हैं कि वित्त वर्ष 2024 के लिए 28 अरब पाउंड की आय हासिल हो। वित्त वर्ष 2026 के लिए 30 अरब पाउंड का टारगेट है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 तक नेट डेट को शून्य करने का लक्ष्य रखा है।

महंगाई पर अंकुश के संकेतों के बीच रिजर्व बैंक ने जताई उम्मीद

संजय अभिज्ञान

रिजर्व बैंक की ताजा मौद्रिक नीति समीक्षा के निर्णयों का अर्थ जगत में स्वागत क्यों हो रहा है? पहली नजर में देखें, तो गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगी ईएमआई चुका रहे करोड़ों परिवारों में से किसी के आंसू तक नहीं पोंछे। न ही उन्होंने निवेशकों को खुश करने वाला कोई बड़ा एलान किया। सप्ताहांत में सेंसेक्स-निफ्टी की गिरावट से साबित भी हो गया कि बाजार मायूस है। फिर भी ऐसा क्यों है कि आर्थिक पर्यवेक्षक राहत की सांस ले रहे हैं?

दरअसल कर्जदारों को आज इस बात का दुख नहीं है कि ईएमआई नहीं घटी। उन्हें इस बात की खुशी है कि फिर से नहीं बढ़ी। पिछली कई समीक्षा बैठकों में एक के बाद एक छह बार ब्याज दरें बढ़ाई गई थीं। देखते-देखते वित्त तंत्र की आधार ब्याज दरों में ढाई फीसदी का इजाफा हो गया था। हर बार खुदरा महंगाई के डरावने आंकड़े जारी होते रहते थे और ब्याज दरें बढ़ जाती थीं।

विगत अप्रैल में हुई समीक्षा बैठक में इस क्रम को तोड़ते हुए ब्याज दरें जस की तस रखने का निर्णय हुआ, तो लोगों को लगा था कि महंगाई में संयोग से एक अस्थायी गिरावट आ गई है। पर अब आठ जून की दूसरी बैठक में भी जब महंगाई के आंकड़े नियंत्रित मिले और फिर ब्याज दरों को बख्श दिया गया, तो लोगों ने राहत की सांस ली।

केंद्रीय बैंक के गवर्नर ने यह उम्मीद बंधा दी है कि सब कुछ ठीक रहा, तो दिवाली के आसपास ईएमआई में पहली कटौती का तोहफा लोगों को मिल सकता है। सामान्य मानसून और यूक्रेन-रूस में उलझे अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में बड़ी उठा-पटक न होने जैसी शर्तें लगाकर उन्होंने कहा है कि एक छमाही के बाद देश में महंगाई और काबू में होगी, जिससे ब्याज दरों में कटौती का सिलसिला आरंभ हो सकता है। पहले कोविड के दंश और फिर महंगाई जनित सख्त मुद्रा नीति को झेलते आ रहे उद्योग जगत को ऐसे मीठे दिलासों का ही तो इंतजार था।

केंद्रीय बैंक की मौद्रिक समीक्षा को केवल ईएमआई के लेंस से परखना अलबत्ता तंग नजरिये की मिसाल होगा। मौद्रिक नीति समिति इससे भी कहीं बड़े दायित्व निभाती है। विराट भारतीय वित्त तंत्र की महासागरीय जलधाराओं को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों के साथ-साथ दूसरे कई नीति-निर्णयों की जरूरत होती है। फुटकर कर्जों के साथ प्रतिभूति बाजार के कर्ज, अंतरराष्ट्रीय कारोबार के लिए रुपये की विनिमय दर का प्रबंधन, आभासी वित्त बाजारों की आभासी मुद्राएं, क्रिप्टो की वास्तविक चुनौतियां, सहकारी व व्यावसायिक बैंकों का नियमन, आईएमएफ-विश्व बैंक के साथ विभिन्न मुल्कों के केंद्रीय बैंकों के साथ कदमताल-ये सब मुद्रा नीति के ही पहलू हैं। इसलिए डिजिटल कर्ज, रुपे प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड और डिजिटल करेंसी को यूपीआई से जोड़ने जैसे बेहद अर्थवान निर्णय मौद्रिक समीक्षा को महत्वपूर्ण बना रहे हैं। एक बात का श्रेय गवर्नर दास को देना ही होगा। महंगाई पर काबू रखने के लिए हर हाल में ब्याज दरों को बुलंद रखने का जो काम पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बनाते हुए किया था, वही काम उन्होंने सुगमता से बिना कोई बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किए कर दिखाया। याद रहे, कर्ज सस्ते रखने के लिए और विकास दर को फुलाने के लिए ब्याज दरों को कम रखने का आग्रह चुनाव जीतने की कामना करने वाली सरकारें हमेशा से करती रही हैं। लेकिन ब्याज दरें घटाकर महंगाई डायन को जगाने का जन विरोधी काम न करने का जवाबी आग्रह करना रिजर्व बैंक के गवर्नरों का ही कर्तव्य होता है। इसीलिए केंद्रीय बैंक को पर्याप्त स्वायत्तता देने की मांग होती रही है। रिजर्व बैंक के अपने अनुभवों से खिन्न रघुराम राजन ने अपनी चर्चित किताब आई डू व्हाट आई डू में गवर्नर के दर्जे की अस्पष्ट स्थिति पर एक जगह लिखा भी है, यह एक खतरनाक बात है कि हकीकत में गवर्नर एक बहुत ताकतवर ओहदा है, लेकिन कानूनी रूप से उसकी मान्यता बहुत कम है। आप चाहें, तो इस बात के लिए भी मौजूदा मौद्रिक नीति समिति की सराहना कर सकते हैं कि उसने अगले छह माह में महंगाई की निगरानी को सर्वोच्च वरीयता देने की बात समीक्षा में कही है।

अपना रक्षा बजट बढ़ा रहा पाकिस्तान

विवेक शुक्ला

जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के समधी और पाकिस्तान के वित्त मंत्री इशाक डार बीते शुक्रवार को अपने देश के

साल 2023-24 के बजट को इस्लामाबाद में पेश कर रहे थे तब रावलपिंडी में स्थित पाकिस्तान आर्मी के हेडक्वार्टर में बैठे जनरल उनके भाषण को अवश्य सुन रहे होंगे। आर्मी हेड क्वार्टर में इत्मीनान महसूस किया गया होगा कि वित्त मंत्री ने रक्षा बजट को बढ़ा दिया है। दरअसल तमाम तरह के संकटों से दो-चार हो रहे पाकिस्तान में पेश अगले वित्त वर्ष के बजट में रक्षा क्षेत्र पर व्यय को 15.5 प्रतिशत बढ़ाकर 1.8 लाख करोड़ रुपए करने का प्रस्ताव रखा गया। पर ये कोई पहली बार नहीं हो रहा कि पाकिस्तान ने तमाम मसलों को दरकिनार करते हुए अपने रक्षा बजट को बढ़ाया हो। भारत का डर दिखाकर सेना वहां सरकार पर दबाव बनाए रखती है कि वह रक्षा बजट को बढ़ाती रहे। इससे सेना को लूट-खसोट करने का मौका मिलता रहता है। पाकिस्तान ने भारत पर 1948, 1965, 1971 में और 1999 में कारगिल में हमला किया। हर बार पाक को पराजय का सामना करना पड़ा। भारत ने उस पर एक बार भी हमला नहीं किया पर पाक सेना भारत का डर दिखाने में सफल रहती है। पाकिस्तान का दुर्भाग्य है कि उसे शुरू से ही एक नंबर की भ्रष्ट सेना को झेलना पड़ रहा है। पिछले साल जब पाकिस्तान बाढ़ से तबाह हो रहा था, तब वहां की सरकार अमेरिका से एफ-16 लड़ाकू विमानों को खरीदने का सौदा कर रह थी। इन्हें खरीदने का मकसद कुछ नेताओं और जनरलों को मोटी कमाई करवाना था। पाकिस्तान में बाढ़ के चलते भारी संख्या में घर और खेत तबाह हो गए थे। पेट्रोल पंप डूब गए थे। बाढ़ ने सबसे ज्यादा तबाही सिंध प्रांत में मचाई। बाढ़ ने अनाज से लेकर पीने का पानी तक छीन लिया था। पर सरकार फिर भी युद्धक विमान का सौदा कर रही थी। पाकिस्तान में सरकार चाहे किसी की भी हो, उनका सारा फोकस रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी करने पर रहता है। उन्हें देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ाने की रत्तीभर भी चिंता नहीं है। वहां इंफ्रास्ट्रक्चर नाम की कोई चीज नहीं है। रक्षा बजट में बढ़ोत्तरी पर पाकिस्तान का तर्क होता है कि चूंकि उसके पड़ोसी भारत का रक्षा बजट बहुत अधिक है, इसलिए उसे अपने रक्षा बजट पर ध्यान देना होता है। अब इस तरह के कमजोर तर्क गढ़ने वालों को कोई बता दे कि भारत को अपने रक्षा बजट पर इसलिए फोकस करना होता है क्योंकि उसके इर्द-गिर्द दो धूर्त शत्रु राष्ट्रों की सरहदें मिलती हैं। भारत की पकिस्तान से चार जंगें हुईं। चीन से भी 1962 में भीषण जंग हुई। भारत-चीन सीमा पर लगातार तनाव की स्थिति रहती है। जिन सवालों पर 1962 में जंग हुई थी वे सवाल अब भी अनसुलझे ही हैं इसीलिए भारत को रक्षा बजट पर ध्यान देना होता है।

मोदी की अमेरिका यात्रा का महत्व

अभिनय आकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा को यादगार बनाने की ऐसी कोशिशे की जा रही है जिसे आने वाले पांच दशकों तक याद रखा जा सके। इसके लिए दोनों देशों के विदेश एवं रक्षा मंत्रालय की टीमें प्लानिंग को अंतिम रूप देने में जुटी है। पीएम मोदी 21 जून से 24 जून तक अमेरिका के दौरे पर रहेंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें स्टेट डिनर के लिए आमंत्रित किया है। इस दौरान पीएम मोदी न्यूयॉर्क में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में हिस्सा ले सकते हैं और संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित कर सकते हैं। ये दूसरा मौका होगा जब मोदी अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे। दूसरी बार ऐसा करने वाले वो भारत के पहले प्रधानमंत्री होंगे। ऐसा करके वो इतिहास बनाएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान भारत की सामरिक दृष्टि से कुछ ऐसे फैसले लिए जाएंगे जिससे उनकी ये अमेरिका यात्रा ऐतिहासिक बन जाएगी।

इसमें सबसे अहम है रक्षा क्षेत्र में ठोस कदम उठाने की। रिपोर्ट्स के मुताबिक पीएम मोदी की यात्रा के दौरान 350 फाइटर जेट इंजनों के भारत में निर्माण का बड़ा राजनीतिक सौदा परवान चढ़ने वाला है। अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रानिक और हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स के बीच समझौते पर हस्ताक्षर 22-23 जून को होने की संभावना है। इस डील के बाद दोनों कंपनियां घरेलू स्तर पर फाइटर जेट इंजन की मैन्युफैक्चरिंग करेंगे। शुरुआत में दोनों कंपनी प्लेन के इंजन बनाएंगे। जबकि भविष्य में भारतीय नौसेना के जहाजों के इंजन भी इसका हिस्सा बन सकते हैं। इस डील को लेकर जो बातचीत हो रही है उसकी सबसे खास बात ये है कि भारत अमेरिका के साथ जेट इंजन बनाने की टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने पर जोर दे रहा है। इस डील के बाद भारत स्वदेशी फाइटर इंजन बनाने में सक्षम हो जाएगा। वहीं आने वाले समय में इससे देश में पानी के जहाजों के इंजन भी तैयार किए जा सकेंगे।

नई डील के बाद तेजस को हाईपावर का इंजन मिल जाएगा। मार्क 2 और स्वदेशी फाइटर प्लेन एमका में जीई 414 इंजन लगेगा। बताया जा रहा है कि जीई और एचएएल के बीच रक्षा क्षेत्र का ये सबसे बड़ा समझौता होगा। ये रक्षा क्षेत्र में

आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत किया जाएगा। करीब एक दशक के लंबे इंतजार के बाद भारत और अमेरिका के बीच सैन्य विमानों के इंजन को लेकर ये बड़ा रक्षा सौदा होने जा रहा है। शुरुआती साझेदारी केवल सैन्य विमानों के इंजन के लिए होगी। माना जा रहा है कि अमेरिका के रक्षा मंत्री लार्ड आस्टिन और भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच इस सौदे को लेकर बुनियादी बातचीत हो गई है और इस पर सहमति भी बन गई है।

जिस अमेरिका ने 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान भारत को जीपीएस नेविगेशन देने से मना कर दिया था। वो आज अपने हथियारों की टेक्नोलाजी देने को तैयार बैठा है। अमेरिका अब ऐसी स्थिति में आ गया है कि वो कुछ भी करने को तैयार है, लेकिन ये डील साइन कर हो जाए। अमेरिका को इस डील की कितनी जरूरत है वो आप इस बात से समझ सकते हैं कि कुछ दिन पहले अमेरिका के रक्षा मंत्री भारत आए और भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलकर इस डील के बारे में बात करके गए। वो इस उम्मीद से भारत आए थे कि जब पीएम मोदी 22 जून को अमेरिका आए तो ये डील साइन करके जाएंगे। इसके अलावा 13 जून को अमेरिका के एनएसए जैस सुलेविन भारत दौरे पर पहुंचे। वो भी इस डील के बारे में बात होगी। इस डील को अमेरिका की इकोनॉमी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण बताया जा रहा है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा उसी दिन राजकीय रात्रि भोज की मेजबानी की जाएगी, जिस दिन वे उस दिन की शुरुआत में व्हाइट हाउस में औपचारिक स्वागत के साथ कांग्रेस को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के 23 जून को वापस भारत लौटने की उम्मीद है। पीएम मोदी सात साल की अवधि के भीतर कांग्रेस को दो बार संबोधित करने वाले पहले भारतीय पीएम होंगे। पीएम मोदी ने इससे पहले जून 2016 में अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित किया था। बहुत कम वैश्विक नेताओं ने अमेरिकी कांग्रेस को दो बार संबोधित किया है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति और रंगभेद के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले महान नेता नेल्सन मंडेला और इस्त्राइल के पूर्व पीएम यित्झाक राबिन भी दो बार अमेरिकी संसद को संबोधित कर चुके हैं।

अमेरिका में लोग पीएम मोदी से मिलने के लिए बेकरार हैं और कतार लगाए हुए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक पूरा अमेरिका प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के लिए तैयार है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा दोनों देशों के बीच गहरी और करीबी साझेदारी को फिर से पुष्टि करने का एक अवसर होगा। इस बीच इंडोपैसेफिक क्षेत्र के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के शीर्ष अधिकारी कैंप्बेल ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि पीएम मोदी की यात्रा भारत के साथ अमेरिका के संबंधों को दुनिया में सबसे बेहतर साबित करेगी। भारत वैश्विक स्तर पर रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राजकीय यात्राएं राज्य/सरकार के प्रमुख के नेतृत्व में विदेशी देशों की यात्राएं होती हैं, जो उनकी संप्रभु क्षमता में कार्य करती हैं। इसलिए उन्हें आधिकारिक तौर पर राजनेता का नाम की यात्रा के बजाय स्टेट विजिट के रूप में वर्णित किया जाता है। अमेरिका की राजकीय यात्राएँ केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर होती हैं, जो राज्य के प्रमुख के रूप में उनकी क्षमता में कार्य करते हैं। राज्य के दौरे आम तौर पर कुछ दिनों के होते हैं और इसमें कई विस्तृत समारोह शामिल होते हैं, जो राज्य के आने वाले प्रमुख के कार्यक्रम के अधीन होते हैं। अमेरिका में,इन समारोहों में शामिल हैं, एक फ्लाइट लाइन समारोह जहां आने वाले राष्ट्राध्यक्ष का लैंडिंग के बाद टरमैक में 21 तोपों की सलामी से स्वागत किया जाता है। व्हाइट हाउस आगमन समारोह में व्हाइट हाउस में रात्रिभोज, राजनयिक उपहारों का आदान-प्रदान, और फ्लैग स्ट्रीटलाइनिंग में रहने की सुविधा प्रदान की जाती है। नरेंद्र मोदी की यात्रा में 22 जून को राजकीय रात्रिभोज शामिल होगा।

जवाब है, नहीं। राजकीय यात्राएं महान औपचारिक महत्व वाली विदेश यात्राओं की सर्वोच्च श्रेणी हैं और इन्हें मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों की उच्चतम अभिव्यक्ति माना जाता है। हालांकि, ये अपेक्षाकृत दुर्लभ हैं, मुख्य रूप से अपनी प्रतिष्ठा और प्रतीकात्मक स्थिति बनाए रखने के लिए। उदाहरण के लिए, अमेरिका की कूटनीतिक नीति के अनुसार, राष्ट्रपति हर चार साल में एक बार किसी भी देश के एक से अधिक नेताओं की मेजबानी नहीं कर सकता है। कम महत्वपूर्ण यात्राओं को (अमेरिकी कूटनीतिक नीति के अनुसार परिमाण के अवरोही क्रम में) आधिकारिक यात्राओं, आधिकारिक कामकाजी यात्राओं, कामकाजी यात्राओं, अतिथि-सरकारी यात्राओं और निजी यात्राओं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। इनमें से प्रत्येक यात्रा के लिए अलग-अलग प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है। इन यात्राओं और एक राजकीय यात्रा के बीच प्रमुख अंतर यह है कि राज्य के दौरे केवल राज्य के प्रमुख के साथ संप्रभु क्षमता में किए जाते हैं (संसदीय लोकतंत्रों के मामले में सरकार के प्रमुख उनके राज्य के प्रमुखों की औपचारिक प्रकृति के कारण) दौरे करने की अनुमति देते हैं। अन्य यात्राएँ कई अन्य महत्वपूर्ण नेताओं द्वारा की जा सकती हैं जिनमें क्राउन प्रिंस, उप-राष्ट्रपति, राज्य के औपचारिक प्रमुख आदि शामिल हैं। पिछले 75 साल में केवल दो भारतीय नेताओं को आधिकारिक राजकीय यात्रा का सम्मान दिया गया है। इससे पहले जून 1963 में राष्ट्रपति एस राधाकृष्णन और नवंबर 2009 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को राजकीय यात्रा के साथ सम्मानित किया गया था।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

गायत्रीरहस्योपनिषद् (भाग-1)

गायत्री महाशक्ति गायत्री महाविद्या की महनीय महिमा का बखान चारों वेदों, ब्राह्मणों, उपनिषदों, पुराणों, स्मृतियों आदि में सर्वत्र पाया जाता है। इस उपनिषद् में भी उसी महामन्त्र - महाशक्ति का रहस्योद्घाटन किया गया है। इस उपनिषद् का शुभारम्भ ऋषि याज्ञवल्क्य और स्वयम्भुव ब्रह्मा जी के प्रश्नोत्तर रूप में हुआ है। सर्वप्रथम %गायत्री% के प्राकट्य का क्रम दिया हुआ है। तदुपरान्त प्रश्नोत्तर शैली में गायत्री और व्याहृतियों का स्वरूप व्यक्त किया गया है। यह स्वरूप बड़ा विस्तृत है यथा- गायत्री का गोत्र, अक्षर, पाद, कुक्षि, शिर, ऋषि, छन्द, शक्ति, अवयव, 24 अक्षरों की 24 शक्तियाँ, 24 अक्षरों के 24 ऋषि, 24 अक्षरों के 24 पुष्प, 24 पातकों का घातक स्वरूप, गायत्री के अंग-अवयवों में देव शक्तियों का निवास इत्यादि। अन्त में पापों को नष्ट करने की विशेष सामर्थ्य का उल्लेख करते हुए उपनिषद् का समापन किया गया है।

सबका कल्याण हो। ब्रह्म को नमन-वन्दन है। इस प्रकार नमन-वन्दन के पश्चात् याज्ञवल्क्य ऋषि ने स्वयम्भुव ब्रह्माजी से प्रश्न पूछा- हे ब्रह्मन् ! गायत्री की उत्पत्ति किस प्रकार हुई, यह सुनने की हम सभी की इच्छा है। वसिष्ठ जी ने भी स्वयम्भुव से यही पूछा था (प्रश्न सुनकर) जो ब्रह्म से उत्पन्न हैं, ऐसे ब्रह्मा जी ने कहा- ब्रह्मज्ञान के उत्पत्ति की कारणभूता प्रकृति की व्याख्या की जाती है। स्वयंभुव नाम का कौन पुरुष है ? (यह) वही पुराण पुरुष हैं। उसी ने अपनी अंगुली से मन्थन करते हुए जल को प्रकट किया। जल से फेन हुआ, फेन से बुदबुद, बुदबुद से अण्डा, अण्डे से ब्रह्मा, ब्रह्मा से वायु, वायु से अग्नि, अग्नि से? कार? कार से व्याहति, व्याहति से गायत्री हुई. गायत्री से सावित्री, सावित्री से सरस्वती, सरस्वती से चारों वेद, चारों वेद से समस्त लोक और इसके पश्चात् अन्त में सभी लोकों से सभी प्राणी प्रादुर्भूत हुए।

अब यहाँ गायत्री और व्याहृतियों का वर्णन प्रारम्भ होता है। प्रश्न-गायत्री कौन है और व्याहृतियाँ कौन हैं? भू: क्या है ? भुव: क्या है? स्व: क्या है? मह: क्या है? जन: क्या है? तप: क्या है? सत्यं क्या है ? तत क्या है ? सवितु: क्या है? वरेण्यं क्या है? भर्ग: क्या है? देवस्य क्या है? धीमहि क्या है? धिय: क्या है? य: क्या है? न: क्या है? तथा प्रचोदयात् क्या है ?

क्रमशः

विश्व रक्तदाता दिवस

अमृता गोस्वामी

रक्त दान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 14 जून को 'विश्व रक्तदाता दिवस' के रूप में घोषित किया गया है, इस दिवस की शुरूआत 14 जून 2005 को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रेड क्रॉस के सहयोग से की थी। 'विश्व रक्तदाता दिवस' को मनाए जाने का उद्देश्य स्वेच्छा से नियमित तौर पर सुरक्षित रक्तदान के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करना और रक्तदान से लोगों का जीवन बचाने वाले रक्तदाताओं का धन्यवाद करना है। 'विश्व रक्तदाता दिवस' पर रक्तदान के लिए जगह-जगह कैंप का आयोजन किया जाता है।

'विश्व रक्तदाता दिवस' नोबेल पुरस्कार से सम्मानित वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टीनर को समर्पित है, जिन्होंने ब्लड ग्रुप सिस्टम की खोज की थी। कार्ल लैंडस्टीनर का जन्म 14 जून 1868 को हुआ था, उनके जन्म दिन की तारीख 14 जून को ही विश्व रक्तदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है। गौरतलब है कि कार्ल लैंडस्टीनर को एबीओ रक्त

समूह प्रणाली की खोज पर फिजियोलॉजी के लिए प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

हमारे शरीर में रक्त की भूमिका अहम है, जीवन के लिए महत्वपूर्ण ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को शरीर के अन्य भागों तक पहुंचाने, शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने, बीमारियों से लड़ने, घाव भरने, जीवाणु और विषाणुओं से लड़ने इत्यादि में रक्त ही कार्य करता है। रक्त की कमी शरीर में कई घातक रोगों को जन्म देती है और कई मामलों में तो यह जानलेवा भी हो जाती है।

कई दुर्घटनाओं और कई बीमारियों में मरीजों को रक्त की अत्याधिक कमी हो जाती है जिसके चलते ऑपरेशन करते वक्त उन्हें तुरंत ही बाहरी रक्त की आवश्यकता पड़ती है। ब्लड कैंसर, हीमोफीलिया, थैलसीमिया इत्यादि बीमारियां तो ऐसी हैं जिनमें रक्त की जरूरत लगातार पड़ती है। इसके अलावा प्रसव या मिस कैरेज की स्थिति में भी मां या नवजात को खून की जरूरत पड़ सकती है, एक अनुमान के मुताबिक डेढ़ लाख महिलाओं की प्रसव के बाद रक्त स्त्राव की वजह से मौत हो जाती है। रक्त दान एक ऐसा महान कार्य है जिससे विभिन्न परिस्थितियों में रक्त की कमी होने पर एक इंसान दूसरे इंसान की मदद कर सकता है और कई केस में तो रक्त दान किसी मरीज के लिए जीवन दान भी बन जाता है। कहा गया है कि एक यूनिट रक्त कम से कम 3 जिंदगियां बचा सकता है। गौरतलब है कि रक्त की कमी की पूर्ति के लिए इंसान आज भी दूसरे इंसान के दिए रक्त पर ही निर्भर है। रक्त कृत्रिम रूप से तैयार करने के लिए हालांकि दुनिया भर में वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे है किन्तु इसमें अभी तक पूर्ण सफलता नहीं मिली है। विशेषज्ञों के अनुसार दुनिया में जितनी मात्रा में बल्ड की जरूरत पड़ती है, ब्लड बैंकों में उतना ब्लड उपलब्ध नहीं है जिसके कारण कई लोगों को रक्त की कमी की वजह से जान भी गंवानी पड़ जाती है। बहुत से लोगों की जान बचाई जा सकती है यदि अधिक संख्या में लोग ब्लड डोनेशन के लिए आगे आते हैं।

कई मुख्यमंत्री ले रहे हैं बिहार की राजनीति में दिलचस्पी

सच्चिदानंद सच्चू

'बिहार में बहार है, नीतीशे कुमार है' कभी नीतीश कुमार के समर्थन में यह नारा बुलंद करनेवाले वाले प्रशांत किशोर आजकल नीतीश सरकार के विरोध में बातें करने लगे हैं। 'जन सुराज यात्रा' के माध्यम से अपनी राजनीतिक पैठ बना रहे पीके जहां केंद्र सरकार को आड़े हाथों ले रहे हैं, वहीं नीतीश-लालू की आलोचना भी कर रहे हैं। लेकिन इसी क्रम में वे लालू को सामाजिक न्याय का मसीहा बताते हैं तो नीतीश के विकास मॉडल की प्रशंसा भी करते हैं। वे कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पक्ष में भी बोलते हैं और कभी उनकी खुलकर आलोचना भी करने लगते हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर पीके की राजनीति क्या है? वह बिहार को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं? इतना तो लगभग तय हो ही चुका है कि पीके आनेवाले दिनों में अपनी एक राजनीतिक पार्टी बनाएंगे। और अगर वे राजनीतिक पार्टी बनाते हैं तो किसको लाभ पहुंचाने का काम करेंगे और किसको नुकसान, यह भी एक अहम सवाल है। बिहार जैसे राज्य में जहां जाति के बिना कोई राजनीति नहीं होती, वहां जाति मुक्त राजनीति की बात लोगों के गले भी उतर पाएगी या नहीं, यह देखना अधिक दिलचस्प होगा।

पीके के लिए लोगों को यह समझाना भी बहुत मुश्किल काम होगा कि चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर कभी जिस मुख्यमंत्री की शान में कसीदे पढ़ रहे थे, आज उनकी तीखी आलोचना क्यों कर रहे हैं? उन्हें यह भी बताना होगा कि जिस भाजपा के लिए उन्होंने चुनावी रणनीति बनाने का काम किया, आज उसके खिलाफ क्यों मुखर हो उठे हैं? प्रशांत किशोर को यह समझना होगा कि पेशेवर चुनावी रणनीतिकार और पेशेवर राजनेता (जो कभी यह नहीं कहते कि मैं पेशेवर हूं) में बहुत फर्क होता है। स्वास्थ्य कारणों से हालांकि 'जन सुराज यात्रा' अभी रोक दी गई है लेकिन इसके फिर से जल्द ही चालू होने की उम्मीद है। जैसे-जैसे यह यात्रा आगे बढ़ेगी, यह तय है कि यह यात्रा राजनीतिक पार्टी का रूप ले लेगी। और

जाहिर सी बात है कि जब वे राजनीतिक पार्टी बनाएंगे तो सत्ता में अपनी भागीदारी भी चाहेंगे, तब उन्हें ऐसे चुभते सवालों का सामना भी करना होगा।

प्रशांत किशोर चूंकि चुनावी रणनीति बनाने में माहिर हैं। उन्होंने न सिर्फ हिंदी प्रदेशों में बल्कि, गैर हिंदी प्रदेशों में भी सफलता हासिल की है। प्रशांत किशोर यह कहते भी रहे हैं कि छह प्रदेशों के मुख्यमंत्री, जिनकी जीत में उनकी भूमिका है, उन्हें फंडिंग कर रहे हैं। इस बात से यह अंदाजा तो लगाया ही जा सकता है कि प्रशांत जब चुनावी राजनीति में उतरेंगे, उन्हें पैसों की कोई कमी नहीं होगी। लेकिन यह बात शायद ही किसी के गले उतरे कि ये मुख्यमंत्री निस्स्वार्थ भाव से प्रशांत किशोर को फंडिंग कर रहे हैं। यह सवाल तो उठेगा ही कि इन छह प्रदेशों के मुख्यमंत्री बिहार की सत्ता बदलने के लिए पीके को क्यों फंडिंग कर रहे हैं? बिहार की राजनिति ये उनका क्या वास्ता? एक लगाइए और दस पाइए के मूलभूत सिद्धांत पर चल रही देश की चुनावी राजनीति में यह सवाल तो उठेगा ही कि फंडिंग करनवाले मुख्यमंत्रियों को आखिर रिटर्न क्या चाहिए?

पीके पलायन की समस्या पर मुखरता से बोलते रहे हैं और इसके लिए बिहार के राजनीतिक नेतृत्व को कोसते भी रहे हैं। पीके खुद बिहारी हैं और हर एक बिहारी को पलायन की पीड़ा असहनीय लगती है। इसमें कोई संदेह नहीं कि उन्हें भी पलायन की यह पीड़ा तकलीफ पहुंचाती होगी। लेकिन वे जिन छह मुख्यमंत्रियों की बात करते हैं (हालांकि उन्होंने कभी इन मुख्यमंत्रियों के नाम नहीं लिए हैं लेकिन समझनेवाले समझ सकते हैं कि वे मुख्यमंत्री कौन-कौन से हैं) उन राज्यों में भी बिहारी मजदूर और अन्य कामगार भारी संख्या में सेवारत हैं। जाहिर सी बात है कि इन मुख्यमंत्रियों से पीके के संबंध बहुत आत्मीय और घनिष्ठ होंगे। उन राज्यों के विकास में उन बिहारी कामगारों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। ऐसे में उन मुख्यमंत्रियों से बातकर उन बिहारी कामगारों के लिए कुछ अतिरिक्त सहुलियतें जुटाने का काम पीके क्यों नहीं कर सकते? इन प्रवासी कामगारों की दशा सुधारने के लिए कोई पहल क्यों नहीं की जा सकती?

आनेवाले दिनों में बिहार में पलायन एक चुनावी मुद्दा भी बनेगा और जब मुद्दा बनेगा तो मुमकिन है कि पलायन को रोकने की दिशा में कोई पहल की जाए? यह पहल कितनी कारगर होगी, यह तो वक्त ही बताएगा लेकिन इतना तो तय है कि इसमें अभी लंबा वक्त लगनेवाला है। फिलहाल सत्य यही है कि बिहार से पलायन रोकना एक दिवास्प्न की तरह ही है। क्योंकि पलायन पर रोटी सेकने का काम सबने किया है लेकिन पलायन रोकने के लिए कोई ठोस पहल अब तक किसी के द्वारा नहीं की गई। पिछले कुछ वर्षों में नीतीश का विकास मॉडल शराबबंदी में इस कदर उलझा कि सारी महत्वपूर्ण बातें गौण हो गईं। मनरेगा जैसी योजनाएं राज्य में पंगु बनी हुई हैं। अलबत्ता बिहार में हाल के कुछ वर्षों में चमचमाती हुई सड़कें बनी हैं, जिन पर पंजाब, हरियाणा सहित विभिन्न राज्यों की बसें सरसराती हुई आती हैं और बिहारी मजदूरों को भरकर ले जाती हैं। मुख्यमंत्री सात निश्चय योजना के तहत राज्य में कई योजनाओं पर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। लेकिन इन योजनाओं में काम करने के लिए ठेकेदारों को मजदूर नहीं मिल रहे।

फलस्वरूप ठेकेदार बंगाली और बांग्लादेशी मजदूरों को बिहार बुला रहे हैं। ये मजदूर सस्ती मजदूरी पर इन दिनों बिहार में आसानी से मिल जा रहे हैं। सड़क निर्माण, भवन निर्माण, नल जल योजना और ईंट भट्?ठों पर इन दिनों आपको बंगाल और बांग्लादेशी मजदूर आसानी से दिख जाएंगे। इन ठेका कंपनियों में स्थानीय मजदूरों को काम मिले और उचित मजदूरी मिले, इस दिशा में कोई कुछ पहल नहीं कर रहा। इन छोटी-बड़ी ठेका कंपनियों में भी रोजगार के कई अवसर हैं और देश के विभिन्न हिस्सों में ये बिहारी मजदूर इसी तरह की ठेका कंपनियों में काम भी कर रहे हैं। पीके जैसे नेता अगर सही में बिहार से पलायन को दूर करना चाहते हैं तो उन्हें इन छोटी-मोटी बातों पर भी ध्यान देना होगा क्योंकि हम सबको पता है कि बूंद-बूंद से ही तालाब भरता है।

फिलहाल पीके की राजनीति कुछ युवाओं को आकर्षित करने लगी है। कुछ आइएएस, डॉक्टर और इंजीनियर जैसे बुद्धिजीवी लोग भी उनसे प्रभावित हुए हैं। बावजूद इसके मैं यह उम्मीद नहीं कर सकता कि 2025 के विधानसभा चुनाव में या आनेवाले दिनों में पीके बिहार की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। क्योंकि किसी राजनेता को प्रभावित करने से ज्यादा टेढ़ा काम आम लोगों को प्रभावित करने का है। हं, इतना तय है कि अगर वे पार्टी बनाकर चुनाव के मैदान में उतरते हैं तो वोट काटने का काम जरूर करेंगे। वे वोट किसका काटेंगे, किसको लाभ पहुंचाएंगे और किसको नुकसान यह तो समय बताएगा। फिलहाल पीके को इतना जरूर बताना चाहिए कि छह प्रदेशों के मुख्यमंत्री उन्हें क्यों फंडिंग कर रहे हैं? इन मुख्यमंत्रियों को बिहार की राजनीति में इतनी दिलचस्पी क्यों है?

बापू की दिनचर्या

दिन का भोजन (भाग-3)

गतांक से आगे...

तभी से उनका भोजन वहीं जाने लगा। कार्यव्यस्तता तथा मुलाकातियों की संख्या में वृद्धि होने पर भी वे प्राय: अपनी कुटिया में भोजन करते। जब उनका स्वास्थ्य ठीक रहता और उनको कोई असुविधा न होती, तब वे सबके साथ पंगत में सम्मिलित होते । रोगियों और बच्चों को स्वयं परोसते। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में भी अपने जिम्मे यह काम लिया था। वहाँ और लंदन में उनको भोजन बनाने के कई अवसर मिले। भोजन - पात्र के विषय में बापू के प्रयोग चलते रहते। आश्रम में कभी वे लोह, कभी काठ और अधिकतर मिट्टी के पात्र में भोजन करते। मगनवाड़ी- आश्रम में बरगद की पत्तलों का भी उपयोग होता। साबरमती में उनका कटोरा गोल, बिना पेंदी तथा कलई का था और चम्मच किसी धातु का । सेवाग्राम में चम्मच काठ और कटोरा मिट्टी का था। ये दोनों तथा लोहे के बर्तनों में—यरवदा जेल से रिहा होते समय भेंट में मिला तसला और पानी का टमलर अंत तक उनके साथ रहे। उनका कहना था कि देहातवालों के पास इतने पैसे नहीं कि वे धातु के बर्तन खरीद सकें। मिट्टी के बर्तनों को वे स्वास्थ्यप्रद बताते और कहते कि उनमें कुछ सुधार जरूर होना चाहिए। जूठे पात्रों की शीघ्र और पूर्ण स्वच्छता कैसे हो, इस विषय के प्रयोग सेवाग्राम में चलते रहते। बापू ने सुझाव दिया कि मिट्टी के जूठे बर्तनों को आग में दुबारा तपाकर शुद्ध किया जा सकता है। अंत में बर्तनों, खासकर धातु के बर्तनों को, खूब खौलते हुए पानी में धोने का उनका आदेश था। बापू, ब्रह्मचर्य के पूर्ण पालन के लिए स्वादेंद्रिय को वश में करना अत्यंत आवश्यक मानते। उनका कहना था कि ब्रह्मचर्य मन की स्थिति होने तथा सभी प्रकार का संयम उसमें सहायक होने पर भी अपेक्षित मन:स्थिति की प्राप्ति में आहार विशेष सहायक नहीं होता, किंतु उत्तेजक या विपरीत आहार से प्रगति में बाधा पहुँचती है। जिह्वा की लोलुपता से दुर्बल मनस्थिति की झलक मिलती है, जो ब्रह्मचर्य की दृष्टि से प्रतिकूल है। बापू सन् 1906 में चूँकि ब्रह्मचर्य व्रत लेने के बाद से जीवन के अंत तक तपस्वीवत् रहे. इसी कारण उन्होंने मिर्च-मसालों का परित्याग कर दिया था। उनके आहार- संबंधी अधिकतर प्रयोग न केवल अन्नाहार की दृष्टि से, बल्कि ब्रह्मचर्य की दृष्टि से भी हुए। आश्रम में ब्रह्मचर्यपूर्वक रहने का नियम होने के कारण हर आश्रमवासी के लिए मिर्च मसालों तथा उत्तेजक पदार्थों के सेवन का वे विरोध करते। आश्रमवासियों के लिए नमक की छूट थी। वे लोग ऊपर से मिला सकते थे; किंतु साग-सब्जी अलोनी बनती थी।

क्रमशः ..

संक्षिप्त समाचार

मानसून सत्र जुलाई में 18 से 21 तारीख़ तक, अधिसूचना जल्द

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र अगले माह जुलाई में 18 से 21 तारीख़ तक चार दिनों का आहूत किया जा रहा है। यह इस पंचम विधानसभा का आखिरी और बिदाई सत्र भी होगा। इस दौरान अंतिम दिन उत्कृष्ट विधायक एवं पत्रकारों का सम्मान समारोह भी होगा। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि राज्यपाल हरिचंदन ने सरकार के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। इसकी अधिसूचना विधानसभा सचिवालय से आजकल में जारी कर दी जाएगी। सत्र में सरकार पहला अनुपूरक बजट पेश करेगी,संभावना है आगामी चुनाव को देखते हुए कुछ बड़ी घोषणाएं भी हो सकती है।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस सहित तीन ट्रेनें रद्द

बिलासपुर। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वी मध्य अरब सागर के ऊपर बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान बिपारजॉय बढ़ रहा है। यह सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों को प्रभावित कर सकता है। तूफान के बुधवार या गुरुवार को गुजरात के तट से टकराने की संभावना है। इसका प्रभाव छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली ट्रेनों पर भी पड़ेगा। इसे देखते हुए रेलवे ने 12905 पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस 14 से 17 जून तक के लिए निरस्त कर दी है। इसके अलावा दो अन्य ट्रेनों को भी शार्ट टर्मिनेट किया गया है। साथ ही रेलवे ने तूफान को लेकर अलर्ट भी जारी किया है। रेलवे ने 12950 संतरागाछी-पोरबंदर एक्सप्रेस को अहमदाबाद स्टेशन में शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया है। यह ट्रेन बिलासपुर में भी रद्द रहेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 22906 शालीमार-ओखा एक्सप्रेस भी 13 जून को सुंदरनगर में शॉर्ट टर्मिनेट हो जाएगी। हालांकि यह ट्रेन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन से नहीं गुजरती। इसी तरह बिलासपुर रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली 22829 भुज-शालीमार एक्सप्रेस 13 जून को अहमदाबाद स्टेशन से प्रारंभ होगी। ट्रेन नंबर 12940 पोरबंदर-संतरागाछी एक्सप्रेस 16 जून को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से शुरू होगी।

स्ट्रेंथ और पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता आज, उदघाटन करेंगे बृजमोहन

रायपुर। ताम्रकार गोल्ड जिम और रायपुर जिला पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में स्ट्रेंथ लिफ्टिंग एवम पावर लिफ्टिंग का आयोजन पुरानी बस्ती ब्रम्हपुरी के दत्तात्रेय मंदिर प्रांगण में 14 जून को किया गया है। पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन छग के क्वार्डिनेटर मानिक ताम्रकार एवम महासचिव ऊदल वाल्मीकि ने बताया कि प्रतियोगिता का उदघाटन दोपहर 12 बजे मुख्य अतिथि विधायक व पूर्व मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल, अध्यक्षता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल, विशेष अतिथि समाज सेवी अरुण विश्वकर्मा होंगे। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह संध्या 6.30 बजे होगा जिसके मुख्य अतिथि नगर निगम के अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर श्री प्रमोद दुबे, विशेष अतिथि एमआईसी सदस्य एवं पार्षद सतनाम सिंह पनाग और पूर्व सरपंच अमलेस्वर के दयानंद सोनकर होंगे। प्रतियोगिता में बॉडी बिल्डिंग संघ के सीनियर उपाध्यक्ष कुंदन सिंह ठाकुर, जैतू साव मठ व्यायामशाला के अध्यक्ष डा रेवा राम यदु, पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन छग के अध्यक्ष लखपति सिंदूर, अमित रामटेके, सोहन वर्मा, मोहित वाल्दे, नेशनल रेफरी सुषमा सिंह, श्री निवास साहू, रायपुर जिला जिम एसोसिएशन के सचिव पोषण बांधे, उपाध्यक्ष जितेंद्र देवांगन, पूर्व मिस्टर रायपुर हेमंत परमाले प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

सरगुजा में 5 नए आत्मानंद स्कूल खुले, 39 शिक्षकों को मिली सीएम के हाथों नियुक्ति

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में अभिनव पहल करते हुए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना शुरू की है। योजना के अंतर्गत सरगुजा जिले में 11 स्वामी आत्मानंद स्कूल संचालित थे। भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों की मांग पर मुख्यमंत्री ने 5 नए स्वामी आत्मानंद स्कूल घोलने की घोषणा की थी। घोषणा पूरी होने के बाद अब जिले में कुल 16 स्वामी आत्मानंद स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए शैक्षणिक सत्र 2023-24 में 39 शिक्षकों की भर्ती की गयी है। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इन 39 नव नियुक्त शिक्षकों को अपने हाथों से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान स्वामी आत्मानंद स्कूलों में अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षकों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में हमें अध्यापन कार्य के लिए नियुक्ति मिली है जिसे हम पूरी तन्मयता से से पूरा करेंगे।

मुख्यमंत्री से सतनामी समाज पाटन के पदाधिकारियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से यहां उनके निवास कार्यालय में तहसील सतनामी समाज पाटन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर तहसील सतनामी समाज पाटन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री संतराम कुर्रे, उपाध्यक्ष श्री पवन डहरे, महासचिव श्री दुर्गेश कुर्रे, सचिव श्री शिवनाथ बंजारे, पूर्व अध्यक्ष श्री सोहन बघेल सहित समाज के अन्य सदस्य मौजूद थे।

हमारी सरकार हर वंचित तबके तक उनके अधिकार पहुंचाने के लिए कर रही है काम

अंबिकापुर में विशेष पिछड़ी जनजाति एवं वन अधिकार पत्र वितरण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि हमारी सरकार गांवों, किसानों, आदिवासियों, मजदूरों, महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार ने हर वंचित तबके तक उनके सामाजिक और आर्थिक अधिकार पहुंचाने का काम किया है। छत्तीसगढ़ में सरकार बनने से पहले ही हमने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी थी। इन्हीं पर छत्तीसगढ़ सरकार काम कर रही है। श्री बघेल आज अंबिकापुर के पीजी कालेज हॉकी स्टेडियम में विशेष पिछड़ी जनजाति एवं वन अधिकार पत्र वितरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में लगभग 650 हितग्राहियों को लाभान्वित किया, इनमें 103 लोगों को शिक्षक के लिए नियुक्ति पत्र, 193 हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा, 100 लोगों को आयुष्मान कार्ड, 39 लोगों को स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के शिक्षक के लिए नियुक्ति पत्र के साथ ही 100 किसानों को एटीएम, 50 किसानों को मिलेट के बीज और 10 किसानों को स्प्रेयर वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने शासकीय सेवा का नियुक्ति पत्र पाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं और वन अधिकार पट्टा प्राप्त करने पट्टाधारकों सहित समारोह में योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों को बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले दो महीनों में बेरोजगारों के खातों में हमने लगभग 48 करोड़ रूपए की राशि जारी की है जो सीधे उनके खाते में जा रही है। उन्होंने कहा कि अनेक युवाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है और प्लेसमेंट के माध्यम से उन्हें नौकरी भी मिल गयी है। आज इस कार्यक्रम में प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले पहले बैच के 50 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा गया है। उन्होंने विशेष पिछड़ी जनजाति के पात्र 103 आवेदको में से 58 पुरूष तथा 45 महिला आवेदकों को सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्ति आदेश, वन अधिकार पट्टा वितरण के तहत अन्य परम्परागत वन्य निवासी के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के 106 हितग्राहियों समेत कुल 193 हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा का वितरण किया।

उन्होंने बेरोजगार युवाओं को प्रशिक्षण मिलने के बाद प्रमाण पत्र, 100 कृषकों को एटीएम कार्ड, आयुष्मान योजना के तहत 100 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड और स्वामी आत्मानंद स्कूलों में शिक्षकों की कमी को पूरा करने के लिए 39 शिक्षकों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने मिलेट मिशन योजना अंतर्गत जिले के विशेष पिछड़ी जनजातियो को लघु धान्य फसलों के क्षेत्र विस्तार हेतु चयनित 50 कृषकों को रागी (मडिया) बीज किट एवं इस वर्ग के 10 कृषकों को हस्तचलित स्प्रेयर पंप का निःशुल्क वितरण भी किया।

गौरतलब है कि बेरोजगारी भत्ता योजना के तहत जिले के 3076 आवेदक बेरोजगारी भत्तता हेतु पात्र पाये गये हैं, जिन्हें 01 करोड़ 42 लाख 85 हजार का भुगतान किया गया है। सरगुजा जिला बेरोजगारी भत्ता आवेदन निराकरण में 92.4 फीसदी के साथ पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। इसी प्रकार आयुष्मान कार्ड योजना के तहत जिले में 6 लाख 89 हजार 34 परिवारों का आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। मिशन एटीएम कार्ड के तहत धान विक्रय करने वाले कृषकों को सहकारी बैंक के माध्यम से एटीएम कार्ड का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में कृषकों को विशेष शिविर लगाकर 7770 कार्ड वितरण किया जा चुका है।

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा, विधानसभा अध्यक्ष श्री चरणदास महंत, स्वास्थ्य मंत्री श्री टीएस सिंहदेव, खाद्य मंत्री श्री अमरजीत भगत, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ,संसदीय सचिव श्री चिंतामणि सिंह महाराज, संसदीय सचिव श्री पारसनाथ रजवाड़े, छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री भानुप्रताप सिंह, सीजीएमएससी के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ प्रीतम राम, सीजीएमएससी के संचालक एवं विधायक श्री विनय जायसवाल छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री गुरप्रीत सिंह बाबरा, राज्य बीस सूत्रीय कार्यक्रम के उपाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, अपेक्स बैंक के संचालक श्री अजय बंसल, राज्य तेलघानी आयोग के सदस्य श्री लक्ष्मी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में सरगुजा कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने जिले में शासकीय कार्यक्रमों की उपलब्धियों के संबंध में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

कांकेर की गलियों में खाना तलाश रहे भालू

कांकेर। कांकेर शहर में इन दिनों भालू का आतंक लगातार जारी है। आये दिन रहवासी इलाकों में भालू पहुंच रहे है। भालुओं की आमद से लोग दहशत में है। जिसे देखते हुए वन विभाग की टीम अब रात में चिन्हाकित इलाकों की निगरानी कर रही है। लेकिन नगर में भालुओं का घुसने का मुख्य कारण भोजन पानी है। जिसे विभाग दरकिनार कर रहा है।

गर्मी का मौसम आते ही फिर एक बार भोजन-पानी की तलाश में भालू नगर के गलियों में घूमते देखा जा रहा है। कांकेर नगर चारों तरफ से पहाड़ियों और जंगलों से घिरा हुआ है। नगर के आस-पास के जंगलों में भालू की बहुतायत संख्या है। अक्सर भोजन पानी की तालाश में भालू जंगल से नगर की ओर रुख कर जाते हैं। जंगलो में छोटे-छोटे डबरी जानवरों के लिए बनाए गए हैं, वह गर्मी के शुरुआत में ही सूखे पड़े हैं। फलदार पेड़ों की संख्या भी जंगलों में घट रही है, जिसके चलते भालू नगर की ओर आ जाते हैं। भालुओं के इस तरह शहर में घूमने लसे लोगों में दहशत का माहौल रहता है। कांकेर नगर के 2014-2015 में 30 हजार हेक्टेयर भूमि में वन विभाग ने भालू विचरण और रहवास क्षेत्र बनाया था। जो कांकेर के शिवनगर-ठेलकाबोड के पहाड़ियों पर बनाया गया। जिसका नाम जामवंत परियोजना दिया गया था। इस परियोजना के तहत अमरूद, बेर, जामुन जैसे फलदार वृक्ष लगाना था। वन विभाग ने फलदार पौधे तो लगाए, लेकिन कोई भी फल देने लायक नहीं बन पाया। जिसके कारण अब जंगली भालुओं को शहर की तरफ भोजन के लिए आना पड़ता है।

छत्तीसगढ़ चुनाव में कूदेगी निषाद पार्टी 25 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में आगामी महीनों में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। इसी के तहत अब राजनीतिक पार्टियां चुनाव लड़ने और अपनी धमक दिखाने छत्तीसगढ़ का रूख करने लगी है।आम आदमी पार्टी तीसरी पार्टी के रूप में उभर रही है, वहीं उत्तर प्रदेश की निषाद पार्टी भी चुनाव लड़ने छत्तीसगढ़ आ रही है। निषाद पार्टी प्रदेश के 25 विधानसभा सीटों में चुनाव लड़ सकती है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए अभी से निषाद पार्टी इसकी तैयारियां शुरू कर दी है। कार्यकर्ताओं को इकट्ठा किया जा रहा है।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की निषाद पार्टी छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने आ रही है। इसके लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद को जिम्मेदारी सौंपी गई है।छत्तीसगढ़ में संजय निषाद बिलासपुर के लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में भी पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण और पार्टी की विचारधारा को लेकर जानकारी देंगे। इस दौरान चुनावी रणनीति भी तय की जाएगी।

निषाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार निषाद के मुताबिक 11 विधायकों के साथ निषाद पार्टी उत्तर प्रदेश सरकार में शामिल है।जिसमें उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष को मत्स्य विभाग की जिम्मेदारी मिली हुई है। छत्तीसगढ़ में भी मछुआ और कैवर्त समाज के लोगों की बड़ी संख्या है। निषाद को निर्बल और सोया हुआ समाज माना जाता है, जिन्हें पॉलिटिकल पार्टनर के रूप में तैयार किया जाएगा।निषाद पार्टी के पदाधिकारी संजय सिह राजपूत के मुताबिक निषाद पार्टी छत्तीसगढ़ में चुनाव लड़ने जा रही है, जिसमें 25 सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति राष्ट्रीय अध्यक्ष से ली जाएगी।2018 में भी 2 सीटों पर बेमेतरा और जांजगीर-चांपा में चुनाव लड़ा गया था। इस बार पहले से ज्यादा अच्छे तरीके से चुनाव लड़ने की तैयारी की जा रही है।

आपको बता दें कि यूपी में एनडीए के साथ पार्टी का गठबंधन है। छत्तीसगढ़ में भी राम और निषादराज को कायम रखने वाली पार्टी के साथ उनका गठबंधन हो सकता है। बिलासपुर में बेलतरा,तखतपुर से निषाद पार्टी के दावेदार चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश में 10 फीसदी आबादी मछुआ समाज की है। यहां 35 से 40 फीसदी वोट पाने वाला प्रत्याशी विधायक बन जाता है। इसीलिए निषाद पार्टी ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

परिवारवाद पर भाजपा को सीएम भूपेश की खरी खरी

रायपुर। सीएम भूपेश बघेल ने एक बार फिर बीजेपी पर परिवारवाद और बजरंगबली को लेकर निशाना साधा है। बीजेपी के कांग्रेस पार्टी को मां बेटी के पार्टी कहने पर सीएम भूपेश ने जवाब दिया है। सीएम भूपेश ने कहा है कि सिर्फ कांग्रेस में ही परिवार के लोग शामिल नहीं है।बल्कि बीजेपी में भी इस तरह के कई मामले हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जिस प्रदेश से आते हैं।वहां पिता और बेटे दोनों मंत्री थे।राजनाथ सिंह का बेटा विधायक है या नहीं,अमित शाह का बेटा बीसीसीआई में है कि नहीं, स्वर्गीय बलिराम कश्यप का एक बेटा सांसद और एक मंत्री था। रमन सिंह के मुख्यमंत्री रहते उनका बेटा सांसद था।इसलिए किसी पर उंगली उठाने से पहले सोचना चाहिए कि खुद की पार्टी में क्या चल रहा है।

बजरंगबली को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि बजरंग बली हमारे साथ हैं जबकि बजरंग दल उनके साथ।लिहाजा कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में बजरंगबली का आशीर्वाद कांग्रेस को मिला और बजरंगबली का गदा उनको पड़ा। वहीं किसान सम्मान निधि में गड़बड़ी के मामले पर सीएम भूपेश ने इसे केंद्र सरकार की योजना बताते हुए अपना पल्ला झाड़ लिया। सीएम के मुताबिक केंद्र सरकार ने जिस तरह से डायरेक्शन दिया।उसी तरह से किसानों को पैसा बांटा गया है।अब इसमें यदि गड़बड़ी हुई है तो जांच का निर्णय केंद्र को लेना है।

वहीं चुनाव की तैयारियों पर भी सीएम भूपेश ने अपनी बात रखी।सीएम के मुताबिक छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनाने के बाद से ही चुनाव की तैयारी में जुट गई थी। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता लगातार जनता के बीच रहे और सामाजिक संगठनों समेत आम जनता के बीच रहे।सीएम ने इस दौरान अपने विधानसभा से लेकर संभाग स्तरीय के दौरों का जिक्र किया।

ईडी ने ट्रांसपोर्टर अरविंद सिंह को किया अरेस्ट

2 हजार करोड़ का शराब घोटाला, क्रिया-कर्म में जाने की मिली इजाजत

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ में दो हजार करोड़ के शराब घोटाले में ट्रांसपोर्टर अरविंद सिंह को गिरफ्तार किया है। ईडी काफी समय से अरविंद सिंह की पतासाजी में जुटी थी। आज मंगलवार को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में उन्हें पेश किया गया। उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा जा सकता है।

अपनी मां को मुखाग्नि देने के बाद ईडी ने अरविंद को गिरफ्तार किया था। ईडी ने मंगलवार को सिंह को अपनी कस्टडी में लिया था। अदालत ने सुनवाई करते हुए अरविंद को अंतिम क्रिया-कर्म में शामिल होने के लिए आज शाम 5 से 6 एक घंटे के लिए और बुधवार सुबह 7 से 8 बजे एक घंटे के लिए शामिल होने की इजाजत दी है। टीम अपनी निगरानी में उनके घर तक ले जाएगी। इसके बाद ईडी अपनी कस्टडी में रखेगी।

मंगलवार को इस मामले में पहले से ही जेल में बंद रायपुर मेयर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर, आबकारी विभाग के अधिकारी एपी त्रिपाठी और कारोबारी त्रिलोक ढिल्लन, नितेश पुरोहित की रिमांड खत्म हो चुकी है। अरविंद सिंह अपनी मां का अंतिम संस्कार करने श्मशान घाट पहुंचे थे। ईडी ने वहीं से उन्हें गिरफ्तार किया था। जब आज अदालत लाया गया तो वे सफेद गमछा और धोती पहन रखे थे। मुंडन भी करा रखा था। इसी स्थिति में उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। पहले से ही जेल में बंद ढेबर समेत बंद चारों आरोपियों की रिमांड को लेकर स्पेशल कोर्ट में न्यायाधीश अजय सिंह ने सुनवाई की। दोनों पक्षों के तथ्यों को सुनने के बाद कोर्ट अपना आदेश देगी। चर्चा है कि सभी की रिमांड लगभग एक सप्ताह के लिए बढ़ाई जा सकती है।

भाजपा पार्षदों ने अपने ही अध्यक्ष के खिलाफ की क्रॉस वोटिंग, पार्टी ने की कार्रवाई

बलरामपुर। जिले के नगर पंचायत राजपुर में अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। जिस पर सोमवार को वोटिंग हुई। भाजपा के पांच पार्षदों ने पार्टी के खिलाफ जाकर क्रॉस वोटिंग की। जिसके बाद पांच पार्षदों को छह वर्षों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। इस संबंध में पार्टी ने लेटर भी जारी किया है। मामले पर भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल का कहना है कि प्रदेश संगठन की सहमति से यह फैसला लिया गया है।

पार्टी के खिलाफ जाकर पार्षदों ने की क्रॉस वोटिंग

पिछले 20-25 दिनों से बलरामपुर के राजपुर नगर पंचायत में राजनीतिक माहौल गर्म है। लगातार चल रही उठा-पटक के बाद कांग्रेस ने भाजपा के नगर पंचायत अध्यक्ष सहदेव लकड़ा के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का काम किया। प्रस्ताव पर कल सोमवार को वोटिंग हुई। जिसमें बीजेपी के पार्षदों ने क्रॉस वोटिंग कर दी।

भाजपा ने पांच पार्षदों को किया निष्कासित

भाजपा के पार्षदों ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ क्रॉस वोटिंग की। इसमें पार्षद जयगोपाल अग्रवाल, ललीता गुप्ता, पंकज जायसवाल, धरम सिंह, वीरकुंवर पैकरा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने निष्कासन का आदेश जारी कर दिया है।

अविश्वास प्रस्ताव पर नगर पंचायत राजपुर के 15 पार्षदों ने अपना मत दिया, जिसमें अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 12 मत और विपक्ष में मात्र 3 मत पड़े। इससे अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस के पक्ष में चला गया और नगर पंचायत राजपुर अध्यक्ष सहदेव लकड़ा की हार हो गई।

भाजपा में आपसी गुटबाजी हावी

इसी साल नवंबर के महीने में छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से 6 महीने पहले ही भाजपा के भीतर चल रही गुटबाजी से भाजपा को नुकसान हो सकता है। इसका फायदा प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी को मिल सकता है।

15 साल कार्यकर्ताओं को पूछते तो आज टिफिन की जरूरत नहीं पड़ती: भूपेश

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा की टिफिन पॉलिटिक्स पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पंद्रह साल कार्यकर्ताओं को पूछे होते तो टिफिन लेकर जाने की नौबत नहीं आती। कार्यकर्ता खाने तक के लिए नहीं पूछ रहे है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए बघेल ने कहा कि, बीजेपी का चरित्र झूठ बोलने में है। अफवाह फैलाएंगे। लेकिन छत्तीसगढ़ की जनता असलियत जानती है। यदि केंद्र सरकार पैसे देती तो रमन सिंह क्यों 10 क्विंटल धान की खरीदी करते।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार केवल हरियाणा और पंजाब में एफसीआई के माध्यम से धान खरीदती हैं। यहां पूरा सिस्टम राज्य सरकार का है। जिले में डीओ किसका है राज्य सरकार का है सोसाइटी किसके राज्य सरकार के है। धान उपार्जन केंद्र, धान खरीदी केंद्र और सोसाइटी में किसके कर्मचारी हैं? यहां एफसीआई केवल चावल लेती है। पंजाब और हरियाणा में एफसीआई के माध्यम से केंद्र सरकार धान खरीदती है।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है तो एफसीआई के माध्यम से खरीदी कर लें। यदि नहीं तो हमें 3 साल पहले धान की नीलामी क्यों करनी पड़ी? 1900 से 2000 का रेट था, नीलामी में जो कम रेट में 1300 से 1400 में बेचे। तो जो डिफरेंस का पैसे भारत सरकार ने दिए क्या । नहीं दिया। घाटा तो राज्य सरकार को हुआ। आप चावल खरीदो या मत खरीदो हम किसानों से धान खरीदी बंद नहीं करेंगे।चावल केवल भारत सरकार नहीं खरीदती । नागरिक आपूर्ति निगम में जो चावल जाता है वह किसका है? नागरिक आपूर्ति निगम राज्य सरकार का है। केंद्र सरकार राज्य को केवल 5 किलो चावल देती है। हम 35 किलो चावल लोगों को देते हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने टिफिन पॉलिटिक्स का किया बहिष्कार: कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के टिफिन पॉलिटिक्स का भाजपा परिवार के गृहणियों ने बढ़ती महंगाई के चलते बहिष्कार किया है। कार्यकर्ताओ ने बढ़ती महंगाई के चलते टिफिन लाने से इंकार कर महंगाई को नकारने वाले ओम माथुर जैसे मोदी के चाटुकार नेताओ को आईना दिखाया है। भाजपा ने धरसींवा के कार्यकर्ताओं को टिफिन लेकर बैठक में बुलाया था। विरोध के बाद रेस्टोरेंट में खाने की व्यवस्था कर ओम माथुर के साथ कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा नेताओं पर तंज कसा कहा कि भाजपा मोदी सरकार की 9 साल असफलता छिपाने कितनी भी रंग बिरंगी पुस्तक छपवा ले बड़े बड़े होडिंग लगवा ले 24 घण्टा टीवी में विज्ञापन चलवा ले सच्चाई पर पर्दा नही कर सकते। देश की जनता मोदी निर्मित आपदा से पीड़ित है और भाजपा के कार्यकर्ता भी अछूते नहीं है। जिन कार्यकर्ताओ से दबावपूर्वक गुणगान करने मोदी चालीसा पढ़ाया जा रहा था। वहीं कार्यकर्ताओं ने टिफिन लाने से इंकार कर महंगाई का विरोध किया है। अब तो भाजपा के मोदीभक्त नेताओं को शर्म आना चाहिए और जनता की परेशानी समझना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 2014 के लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा ने इन्हीं कार्यकर्ताओं से 410 रु में मिलने वाला रसोई गैस के सिलेंडर, 54 रु लीटर में डीजल 68 रु लीटर में पेट्रोल को महंगा बताकर विरोध करवाया था और महंगाई को डायन बताकर 100 दिनों में महंगाई कम करने,अच्छे दिन लाने,सभी के खाता में 15-15 लाख रु जमा कराने 30 से 35 रु प्रति लीटर के दर में डीजल पेट्रोल देने, किसानों को फसल का लागत मूल्य से डेढ़ गुना समर्थन मूल्य देने, 2022 में किसानों की आमदनी दोगुनी करने,दो करोड़ रोजगार प्रतिवर्ष देने,सस्ते दरों में खाद्य सामग्री, दवाईयां उपलब्ध कराने सहित अनेक लोक लुभावने वादा किये थे।

चेहरे पर नहीं, कमल के फूल पर चुनाव

सीजी प्रभारी ओम माथुर बोले-सीएम बाद में होगा तय; कांग्रेस अपने अंदर झांके

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि, प्रदेश में भाजपा इस बार चेहरे पर नहीं, बल्कि कमल के फूल पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि, पार्टी के जीतने के बाद मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह केंद्रीय कमेटी तय करती है। हम पहले भी कई राज्यों में चेहरे और कई में बिना चेहरों के चुनाव लड़ चुके हैं। हमारा हर कार्यकर्ता महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री बाद में तय होगा। प्रदेश प्रभारी माथुर मंगलवार को राजनांदगांव में मीडिया से बात कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने केंद्र सरकार के नौ साल की उपलब्धियां गिनाईं।

भाजपा कार्यालय में प्रभारी ओम माथुर ने कहा कि, कांग्रेस एक परिवार की पार्टी है। वहां सबकुछ वही परिवार तय करता है, लेकिन भाजपा में ऐसा नहीं है। यहां पर लोकतांत्रिक तरीके से व्यवस्था चलती है। पार्टी की केंद्रीय कमेटी है, जो चेहरा तय करती है। किसे पद देना है और किसे नहीं, ये पार्टी को तय करना होता है। कार्यकर्ता का काम चुनाव लड़ना है। जिसे टिकट दिया गया, वह चुनाव में खड़ा होगा। यहां इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि कौन सा चेहरा बड़ा या छोटा है। एक कार्यकर्ता भी ऊंचे पायदान पर पहुंचता है।

पार्टी में 30 से 40 फीसदी नए चेहरों को टिकट

ओम माथुर ने टिकट वितरण को लेकर कहा कि, यह पार्टी का सिस्टम है। पिछले साल चुनाव जो अन्य प्रांतों में हुए हैं, वहां भी देखेंगे तो पता चलेगा कि 30 से 40 फीसदी नए लोग आते ही आते हैं। नहीं तो इतनी बड़ी पार्टी कैसे बनती। यहां भी बहुत सारे नए चेहरे बैठे हुए हैं। पार्टी क्या करेगी, क्या नहीं करेगी, यह ऐसे तय नहीं किया जाता है। पिछली बार सीटें कम आईं थीं। अब आगे क्या होगा, उसका भी इंतजार करिए। सारे पेपर आज ही तो आउट नहीं कर देंगे, लेकिन मानकर चलिए कि भारी बहुमत से हम सरकार बनाने वाले हैं।

यूपीए की सरकार में ईडी ने कार्रवाई की, तब तो हम नहीं थे

छत्तीसगढ़ में चल रही ईडी की कार्रवाई को लेकर प्रभारी ओम माथुर ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। कहा कि, यूपीए-1 और यूपीए-2 की सरकार के समय तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं थे। तब भी ईडी और सीबीआई ने कार्रवाई की। उनके ही अलायंस के नेताओं को पकड़ा। ईडी और सीबीआई संवैधानिक संस्था है। अपना काम रुटीन से करती है। गुजरात के सीएम रहते नरेंद मोदी से पूछताछ हुई। गृहमंत्री को जेल में रखा, तब भाजपा ने तो आंदोलन नहीं किया। फिर आप क्यों कर रहे हैं। इसलिए पहले अपने अंदर झांक कि हमने क्या किया।

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने ओडिशा में रचा कीर्तिमान

18 राज्यों को पछाड़कर 15 पदक पर राष्ट्रीय खेल में जमाया कब्जा

रायपुर। राष्ट्रीय खेल में छत्तीसगढ़ के होनहार खिलाड़ियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। अलग-अलग खेल विभाग से उम्दा प्रदर्शन दिखाकर कई इनाम अपना नाम किया हैं। ओडिशा के भुवनेश्वर में 9 से 12 जून तक आयोजित थी। इसमें प्रथम जनजातीय राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने 1 स्वर्ण, 6 रजत, 8 कांस्य कुल 15 पदक जीता है इसमें 18 राज्यों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। लेकिन प्रदेश के खिलाड़ियों ने उम्दा प्रदर्शन किए हैं। वहीं 50 मीटर तैराकी में रजत और 100 मीटर में कांस्य पदक जीता है।

वहीं छत्तीसगढ़ की फुटबॉल बालिका टीम ने गोल्ड मैडल अपना नाम किए हैं। बता दें कि इस जीत की हीरो रायपुर के बालिका खिलाड़ी किरण पिस्दा रहीं। खो-खो और कबड्डी की बालिका टीम को कांस्य पदक मिला। एथलेटिक्स के ऊंची कूद इवेंट में तानिया ने कांस्य पदक जीता। 5000 मीटर दौड़ पुरुष में मनीष मांडवी ने रजत पदक जीता। 100 मीटर दौड़ में बिलासपुर के तनीका टेटा ने रजत पदक और लंबी कूद में कांस्य पदक अपना नाम किया। 5000 मीटर दौड़ बालिका में प्रमिला मांडवी ने रजत पदक जीता।

तीरंदाजी में बिलासपुर के कुबेर सिंह जगत ने अपना छाप छोड़ है। उन्होंने 30 मीटर में रजत पदक और ओवर ऑल में रजत पदक अपने नाम किया। मिक्स इवेंट में कुबेर सिंह और बुंदेश्वरी मरावी ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं तीरंदाज़ी में टीम चौंपियनशिप बलिका ने कांस्य पदक और बालक तीरंदाजी टीम ने रजत पदक हासिल किया।

इस उपलब्धियों पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और खेल, युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल ने खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नवाचारों को स्टार्टअप तथा लघु-मध्यम उद्योगों के रूप में स्थापित करें: डॉ. चंदेल

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के रफ्तार एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेन्टर द्वारा आज वर्ष 2023-24 के लिए पांचवां स्टार्टअप सत्र कॉहर्ट 5.0 का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का

उद्घाटन एवं कॉहर्ट 5.0 का लॉन्च इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विवि के निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. अजय वर्मा ने की। इस अवसर पर संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. विवेक त्रिपाठी, निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. एस.एस. टुटेजा, अधिष्ठाता छात्रकल्याण डॉ. संजय शर्मा, कृषि महाविद्यालय के प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. ए.एस. कोटस्थाने, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. विनय पाण्डेय, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. दवे एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इस अवसर पर कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने नवीन सत्र हेतु चयनित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आई.जी.के.वी की राबी के अंतर्गत पिछले चार वर्षों में नवाचारों को मूर्त रूप देने तथा स्टार्टअप्स की स्थापना हेतु उल्लेखनीय कार्य हुए हैं।

जगदलपुर में तेज हवाओं के साथ बारिश; कई जगहों पर पेड़-होर्डिंग गिर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ जमकर बारिश हुई। इसके चलते एक ओर जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली, वहीं शहर में जगह-जगह पेड़ और होर्डिंग्स गिर गए। इसके चलते रास्ते बाधित हो गए और तार टूटने से बिजली सप्लाई बंद हो गई। सबसे ज्यादा नुकसान शहर के बाहरी हिस्सों में हुआ है। किसानों की फसलों को भी भारी नुकसान की आशंका है।

करीब एक घंटे तक तेज हवाएं चलीं और उसके साथ मूसलाधार बारिश हुई। इसके चलते जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। शहर के बाहरी इलाकों कुम्हरावंड, पल्ली, केशलूर, बिरिंगपाल, मालगांव, सरगीपाल आदि जगहों में काफी नुकसान हुआ है। अनेक स्थानों पर बड़े होर्डिंग, घरों की छत और पेड़ उखड़ गए। कुछ जगहों में बिजली की तारो में पेड़ की डाल गिरने से बिजली गुल हो गई। तेज अंधड़ से शहर के मारेंगा चौक व शिवानंद आश्रम जाने वाले मार्ग में सांकेतिक बोर्ड गिरा गया जिसकी वजह से कुछ देर तक आवागमन प्रभावित हुआ। पुलिस और यातायात विभाग की टीम ने मार्ग को सुचारू रूप से खुलवा दिया है। तेज आंधी-तूफान और बारिश की वजह से किसानों को नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है। बताया जा रहा है सब्जी उगाने वाले किसानों को आंधी-तूफान के चलते नुकसान हो सकता है।

पीएससी भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

■ बीजेवायएम ने की परीक्षा रद्द करने की मांग, 19 जून को महासंग्राम

रायपुर। भाजयुमो प्रतिनिधि मंडल ने पीएससी भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर पीएससी के मुद्दों पर चर्चा की। मामले में जांच करवाने की मांग की है। भाजयुमो ने कहा कि बहुत ही संवेदनशील मामला है।

भाजयुमो प्रतिनिधि मंडल ने पीएससी भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर पीएससी के मुद्दों पर चर्चा की। मामले में जांच करवाने की मांग की है। भाजयुमो ने कहा कि बहुत

ही संवेदनशील मामला है। युवाओं के भविष्य का विषय है। इसमें आगे की कार्यवाही करने की मांग की है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने कहा कि इस मामले में 9 जून को राजीव गांधी चौक में दोपहर 1 बजे विशाल आंदोलन किया जाएगा। पीएससी संग्राम के लिए हजारों युवा मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे और अपना हक लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लाखों युवाओं की आवाज उठाएंगे। सबसे गंभीर और संवेदनशील छत्तक्कट -2021 में अनियमितता को लेकर भाजयुमो लगातार विरोध जता रहा है।

ये रहे मौजूद

इसमें भाजपा प्रदेश महामंत्री विजय शर्मा, भाजयुमो प्रदेश सह प्रभारी वैभव बैस, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य गुंजन प्रजापति, प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत, प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर, प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित माहेश्वरी, प्रदेश मंत्री शांतनु शुक्ला, राहुल राव आदि उपस्थित रहे।

ये रखी मांगें

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा परीक्षा-2021 परिणाम को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए।परीक्षा दोबारा आयोजित की जाए। परीक्षा परिणाम की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। आयोग के अध्यक्ष को तत्काल निलंबित किया जाए। आयोग के सचिव और परीक्षा नियंत्रक को निलंबित करते हुए रिटायर्ड उच्च न्यायालय के जज से जांच शुरू करवाई जाए।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

जनता की आवाज मोदी सरकार दमन कर रही: मरकाम

रायपुर। कांग्रेस ने ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डॉर्सी के खुलासों को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि ट्विटर के पूर्व सीईओ ने जो खुलासे किए हैं, वह अत्यंत गंभीर हैं। आज मदर ऑफ डेमोक्रेसी में मर्डर ऑफ डेमोक्रेसी किया जा रहा है। डोर्सी के खुलासों से यह एक बार फिर

साबित हो गया है कि मौजूदा भाजपा सरकार साजिश रचकर देश में लोकतंत्र को कमजोर करने का कार्य कर रही है। वहीं कांग्रेस पार्टी ने केविन एप से देशवासियों के डाटा लीक होने को लेकर भी सरकार से कई सवाल किए हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि ट्विटर के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जैक डोर्सी ने एक साक्षात्कार में दावा किया है कि ट्विटर को देश में किसानों के प्रदर्शन के दौरान सरकारी दबाव और बंद किये जाने की धमकियों का सामना करना पड़ा था। इससे एक बार फिर साबित होता है कि प्रधानमंत्री मोदी हिटलर की तरह व्यवहार कर रहे हैं और वह तानाशाह होने के साथ कायर भी हैं। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि राहुल गांधी जी ने सही कहा था कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है। राहुल गांधी जी की इस बात पर आज एक बार फिर से मुहर लग गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि काले कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने एक साल से भी अधिक समय तक आंदोलन किया।

ग्रामीणों के लिए संजीवनी बनी 'डॉक्टर तुमचो दुआर'

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने पिछले दिनों कोण्डागांव जिले के बड़ेमा प्रवास के दौरान 'डॉक्टर तुमचो दुआर' अभियान की शुरूआत की थी। अभियान अपने उद्देश्य के अनुरूप सफल हो रहा है और दुर्गम इलाकों तक स्वास्थ्य सुविधाएं एक फोन कॉल के माध्यम से पहुंच रही हैं। जनजातीय बहुल सुदूर गांवों में घर पर ही डॉक्टरों की सेवा मिलने से लोग बहुत खुश है और जिला प्रशासन के इस पहल की सराहना भी कर रहे है दुर्गम इलाकों में जरूरतमंद ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन कोण्डागांव की इस पहल को अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। पिछले हफ्ते ही शुरू किए गए इस अभियान के बेहतर क्रियान्वयन से दूरस्थ इलाकों के मरीजों को समय पर प्रशिक्षित चिकित्सकों की घर पहुंच सुविधा मिल रही है। डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टॉफ जरूरतमंद मरीज के घर पहुंचकर निःशुल्क जांच, उपचार और दवाइयां दे रहे हैं। मरीज की बीमारी और उसकी स्वास्थ्यगत स्थिति को देखते हुए टीम बेहतर इलाज के लिए रिफर भी करती है। विशेष रूप से उम्रदराज और आने-जाने में असमर्थ मरीजों को इसका बड़ा फायदा मिला है डॉक्टर तुमचो दुआर परियोजना को जिले के दो ब्लॉक बड़ेराजपुर एवं फरसगांव के पहुंचविहीन क्षेत्रों को ध्यान में रखकर पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर प्रारंभ किया गया है। डॉक्टर तुमचो द्वार के माध्यम से दोनों विकासखंडों के बड़ेडोंगर, आलोर, फुपगांव, कबोंगा, कुम्हारबड़गांव, लंजोड़ा, कोकोड़ा जुगानार, बीरापारा, पेण्ड्रावन, खलारी, खरगांव, बालेंगा, सलना इत्यादि गांवों के मरीजों को इसका लाभ भी मिलने लगा है।

मुद्दाविहीन भाजपाई पीएससी की छवि खराब कर रहे: शुक्ला

रायपुर। पीएससी को लेकर भाजपा स्तरहीन राजनीति कर रही है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ मुद्दों की कमी से जूझ रही भाजपा राज्य लोकसेवा आयोग की छवि को खराब करने का काम कर रही है। अपनी

राजनैतिक दुकान चलाने के लिये भाजपा प्रदेश के युवाओं की विश्वसनीय संस्था पर गलत आरोप लगा कर राज्य में भ्रम का वातावरण बना रही है। कांग्रेस की सरकार बनने के बाद सरकार ने पीएससी की पारदर्शिता समयबद्धता और निष्पक्षता को बनाये रखने का पुख्ता इंतजाम किया है। छत्तीसगढ़ राज्य लोकसेवा आयोग एक संवैधानिक एजेंसी है, वह एक स्वायत्तशासी संस्था है। कांग्रेस सरकार ने हमेशा से ही संवैधानिक संस्थानों की मर्यादा और गरिमा के अनुरूप उनकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता को बनाए रखने की जिम्मेदारी, सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। भर्ती, परीक्षा और चयन प्रक्रिया में राज्य सरकार का सीधे तौर पर कोई हस्तक्षेप नहीं रहा है। संवैधानिक संस्थानों, केंद्रीय जांच एजेंसियों और राजभवन तक का राजनीतिक उपयोग भाजपा का चरित्र है। जनता ने रमन राज में 15 साल के कुशासन को भी भोगा है। रमन सरकार के दौरान 2003 और 2005 में पीएससी भर्ती घोटाला भी सर्वविदित है।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के साथ 15 जून से

रायपुर। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के साथ ही 15 जून से राज्य में सघन कुष्ठ रोग अभियान और राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान भी शुरू होगा। मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के आठवें चरण में 23 जिलों में मलेरिया की जांच की जाएगी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा करीब 22 लाख लोगों की मलेरिया जांच की जाएगी। प्रदेश के सभी 33 जिलों के 146 विकासखंडों में राष्ट्रीय नेत्र ज्योति अभियान व सघन कुष्ठ खोज अभियान भी संयुक्त रूप से चलाया जाएगा। इस दौरान कुष्ठ के संदेहास्पद रोगियों की पहचान कर जांच व उपचार किया जाएगा। अभियान के दौरान नेत्र रोगियों की पहचान कर समुचित इलाज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी संचालक, महामारी नियंत्रण डॉ. सुभाष मिश्रा ने बताया कि मलेरिया नियंत्रण की दिशा में राज्य सरकार लगातार बेहतर लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रयासरत है। राज्य को मलेरिया मुक्त बनाने के लिए 15 जून से 10 जुलाई तक मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का आठवां चरण शुरू किया जा रहा है जिससे मलेरिया के मामलों को निम्नतम स्तर तक ले जाकर पूर्ण मलेरिया मुक्त राज्य के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों सहित प्रदेश के कुल 23 जिलों में 25 दिनों तक यह अभियान संचालित किया जाएगा। डॉ. मिश्रा ने बताया कि मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के आठवें चरण में प्रदेश के लगभग 22 लाख लोगों की मलेरिया जांच का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए, प्रदेश भर में 2854 टीमों का गठन किया गया है।

स्कूल बसों का पुनः वार्षिक फिटनेस परीक्षण 18 जून को

रायपुर। रायपुर जिले में चल रहे सभी स्कूलों, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थानों में छात्र-छात्राओं को लाने-लेजाने के काम में उपयोग हो रहे वाहनों की फिटनेस परीक्षण के लिए 11 जून को आरटीओ और पुलिस विभाग के द्वारा शिविर आयोजित किया गया था। जिसमें लगभग 600 स्कूल बस उपस्थित हुए थे। लेकिन रायपुर आरटीओ में पंजीकृत स्कूल बसों की संख्या लगभग 1400 के करीब है। अतः छूटे हुए स्कूल बस को परीक्षण कराने का एक मौका और देते हुए 18 जून को पुनः फिटनेस परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर पुलिस परेड ग्राउंड में सुबह 9 बजे से शुरू होगा। रायपुर के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी शैलाभ साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार बचे हुए सभी शैक्षणिक संस्थानों को इस जांच शिविर में अपने संस्थानों के सभी वाहनों-यानों को पूरे दस्तावेजों के साथ भेजना होगा। आरटीओ कार्यालय से इस संबंध में जरूरी निर्देश भी जारी कर दिए गए है। ज्ञान हो कि साधारण बस की अपेक्षा स्कूल बस में अतिरिक्त सुरक्षा शर्तों का पालन करना पड़ता है। जैसे की स्कूल बस 12 वर्ष से पुरानी नहीं हो सकती,ड्राइवर के पास ट्रांसपोर्ट गाड़ी चलाने का कम से कम 5 वर्षों का अनुभव होना चाहिए, स्कूल बस में स्पीड गवर्नर लगा हुआ होना चाहिए ताकि बस 60 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से ना चल सके इत्यादि। स्कूल बस के लिए निर्धारित शर्तों के पूर्ण होने के दशा में ही बस की स्कूल में चलाने हेतु परमिट दिया जाता है।

मैं कांग्रेस छोड़कर कहीं नहीं जा रहा हूं : टीएस सिंहदेव

■ सिंहदेव का कांग्रेस संभागीय सम्मेलन में भाजपा को साफ संदेश, बोले- भूपेश से संबंध पूर्ववत

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस द्वारा मंगलवार को अंबिकापुर में आयोजित कांग्रेस संभागीय सम्मेलन में कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने संभाग के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे कांग्रेस छोड़कर किसी दूसरी पार्टी में नहीं जाएंगे। सिंहदेव ने कहा कि भूपेश बघेल से मदभेद को लेकर कहा कि मेरे और भूपेश के बीच व्यवहारिक संबंध पूर्ववत हैं। टीएस सिंहदेव ने कहा कि सत्ता से संगठन खुश नहीं है। उन्होंने चेताया कि

प्रदेश में कांग्रेस की वापसी बहुत आसान भी नहीं है।

अंबिकापुर के होटल पर्पल आर्किड में आयोजित कांग्रेस के संभागीय सम्मेलन में सरगुजा संभाग के छह जिलों के आठ सौ से अधिक अपेक्षित पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। सम्मेलन में टीएस सिंहदेव ने कहा कि वे कांग्रेस छोड़कर किसी अन्य पार्टी में नहीं जा रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व सहित अन्य दलों से प्रस्ताव मिला था, कि मैं उनकी पार्टी में शामिल हो जाऊं, लेकिन मैं ऐसा करने वाला नहीं हूं। केंद्र के केबिनेट मंत्रियों ने दिल्ली में ऑफर दिया था कि आप आ आएं, ऊपर के दोनों से (शीर्ष नेतृत्व) बात हो गई है। भाजपा के केबिनेट मंत्रियों व शीर्ष नेतृत्व से दिल्ली के अशोका होटल में एक कमरे में गुपचुप बात भी हुई। होटल में जाने से पहले भी बीच के लोगों को मैने यह कह दिया था कि मैं भाजपा में नहीं जाऊंगा। उन्होंने मिलने की इच्छा जाहिर की है तो मिलने जरूर जाऊंगा। भाजपा के अलावा अन्य विपक्षी दलों के शीर्ष नेतृत्व का भी आफर मिला, लेकिन सभी को इंकार कर दिया। सिंहदेव ने कहा कि कांग्रेस से भविष्य में जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, निभाऊंगा।

सिंहदेव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ मतभेद को लेकर कहा कि जब छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद में, भूपेश बघेल व राजेश तिवारी साथ थे। सत्ता में आने के बाद खबर आती है कि हमारे बीच मनमुटाव है। इनके बीच कुछ बिगड़ा है। इसका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। सिंहदेव ने कहा कि मेरे और मुख्यमंत्री के बीच व्यवहारिक संबंध पूर्ववत हैं। छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने के बाद भूपेश बघेल, चरण दास महंत, ताम्रध्वज साहू के साथ मुझे शीर्ष नेतृत्व ने बुलाया। यहां कोई विवाद की स्थिति नहीं थी। ढाई-ढाई साल की चर्चा होती रही। राजनीति में थोड़ा बहुत हो सकता है, लेकिन कोई मदभेद नहीं है। किसी सार्वजनिक स्थान में भूपेश बघेल ने व्यवहार में कोई कमी नहीं की। अंदर थोड़ा बहुत अलग है।

छत्तीसगढ़ में जी-20 सम्मेलन की तैयारी

■ 170 पुलिस अधिकारियों को मिला प्रशिक्षण, जानें कैसी रहेगी पुलिसिंग

रायपुर। पूरे भारत में जी-20 का सम्मेलन हो रहा है। इस क्रम में छत्तीसगढ़ में 18 सितंबर को जी-20 सम्मेलन होगा। इस संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें प्रदेशभर के 170 से अधिक पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। सम्मेलन के दौरान कैसी ड्यूटी रहेगी, कैसी पुलिसिंग व्यवस्था रहेगी, क्या चौकसी रहेगी आदि को लेकर ट्रेनिंग दी गई। इस सम्मेलन की तैयारी के लिए पुलिस अभी से जुट गई है।

राजधानी रायपुर में 18 सितंबर को जी-20 का 4जी फाइनेंस वर्किंग ग्रुप सम्मेलन प्रस्तावित है। जी-20 सम्मेलन के संबंध में रायपुर स्थित सिविल लाइन न्यू सर्किट हाउस में प्रशिक्षण दिया गया। यह एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं सेन्सिटाइजेशन कार्यशाला आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय

स्तर पर इतना बड़ा आयोजन होना है। आयोजन को सफल बनाने के लिए पुलिस अभी से अपनी तैयारियां शुरू कर दी है।

ये रहे शामिल: इस एक दिवसीय कार्यशाला में पुलिस महानिरीक्षक अजय यादव, पुलिस महानिरीक्षक आरिफ एच शेख, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर प्रशांत अग्रवाल, एमएल कोटवानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) नीरज चंद्राकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू कीर्तन राठौर और उप निरीक्षक रैंक के 170 से अधिक पुलिस अधिकारी शामिल हुए।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.